● वर्ष-4
● अंक-82
रायपुर, गुरुवार
14 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» ब्रोकली की खेती कर किसान...

रायपुर दक्षिण विस उपचुनाव में 50.50 प्रतिशत मतदान

रायपुर। विधानसभा क्षेत्र 51- रायपुर नगर दक्षिण में उपनिर्वाचन आज शांतिपूर्वक संपन्न हुआ 7 मतदान की कार्यवाही प्रात: 7 बजे से शाम के 6 बजे तक सभी 266 मतदान केन्द्रों में सुचारू एवं निर्बाध रूप से पूर्ण हुई 7 मतदान समाप्ति के उपरांत मतदान का प्रतिशत 50.50 प्रतिशत दर्ज किया गया है 7 मतदान प्रतिशत के ये आंकड़े अनंतिम है 7 मतदान दलों की वापसी पूर्ण हो जाने के पश्चात् उनके प्रपत्रों की जांच के उपरांत मतदान केन्द्रवार मतदान के आंकड़े अंतिम रूप से तैयार किये जाएंगे, जिसमें आंशिक संशोधन की सम्भावना रहेगी।

बता दें कि 2023 विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार करीब 10 प्रतिशत कम मतदान हुआ है. 2023 के विधानसभा चुनाव में रायपुर दक्षिण में 60.20 प्रतिशत मतदान हुआ था. वहीं 2018 के विधानसभा चुनाव में 61.70 प्रतिशत मतदान हुआ था.

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर हो रहे उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व बताते हुए सभी मतदाताओं से मतधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया था. भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने सदर बाजार स्थित महाराणा प्रताप शासकीय विद्यालय में सपरिवार मतदान किया. इस दौरान उन्होंने मीडिया के माध्यम से क्षेत्र के तमाम मतदाताओं से कहा कि लोकतंत्र के पर्व में आपके एक-एक वोट का बड़ा महत्व है. उन्होंने वोटरों से आग्रह किया था कि इस बार भी प्रचंड मतों से कमल खिलाकर भाजपा को आशीर्वाद प्रदान करें. रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने सुबह-सुबह अपने परिवार के साथ सुंदर नगर स्थित पंडित सुंदर लाल शर्मा स्कूल में मतदान किया.

23 नवंबर को आएगा परिणाम

बता दें कि रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए आज मतदान हुआ, जिसका परिणाम 23 नवंबर को जारी किया जाएगा. इस उपचुनाव में 30 प्रत्याशी मैदान में हैं. इन सभी के भाग्य का किस्मत ईवीएम में कैद हो चुका है. रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव 2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में मतदान के लिए सार्वजनिक अवकाश और सामान्य अवकाश की घोषणा की थी.

युवा देश के विकास, सामाजिक सरोकार से जुड़ें-डॉ. मंडाविया

केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने माटी के वीर पदयात्रा का किया भव्य शुभारंभ

रायपुर। केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने माटी के वीर पदयात्रा का किया भव्य शुभारंभ केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज छत्तीसगढ़ के जशपुर नगर में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में माटी के वीर पदयात्रा का भव्य आयोजन हुआ। पदयात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया ने देश की आजादी और कोरोना काल में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से हमें प्रेरणा लेना चाहिए, जिन्होंने 25 वर्ष की आयु में मातृ भूमि को आजाद कराने के लिए लड़ाई लड़ी और अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में 6 लाख युवाओं ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प लेने तथा सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के लिए आगे आने का आव्हान किया। डॉ. मंडाविया ने

जनजातीय संस्कृति का गौरव गान ही सनातन संस्कृति का गौरवः साय

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आग्रह पर जशपुर नगर में सर्वसुविधायुक्त स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण कराए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माटी के वीर पदयात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ और जशपुर के लिए सौभाग्य की बात है कि भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। उन्होंने इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनजातियों को गौरव करने का एक और बड़ा अवसर प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जब-जब संस्कृति पर हमला हुआ है, जनजातीय समाज ने इसका तीव्र प्रतिकार किया है। जनजातीय संस्कृति प्रकृति से प्रेम करने की संस्कृति है। यह संस्कृति सौहार्द्र, शांति और सद्भाव की संस्कृति है। कलाओं से प्रेम करने वाली यह संस्कृति हमारी जनजातीय सनातन संस्कृति का उद्गम है। जनजातीय संस्कृति को बचाने की चिंता सनातन संस्कृति को बचाने की चिंता ही है। जनजातीय संस्कृति का गौरवगान सनातन संस्कृति का गौरवगान ही है।

केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने माटी के वीर पदयात्रा का किया भव्य शुभारंभमुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और पीएम जनमन अभियान जनजातीय समुदायों के कल्याण के लिए संचालित की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने जनजातीय समुदायों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए एकलव्य विद्यालयों तथा आय में बढ़ोतरी के लिए वन-धन योजना प्रारंभ किया। आयुष्मान भारत योजना में जनजातीय समुदायों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। हमने जनजातीय क्षेत्रों के विकास की रणनीति तय की है। हमारी सरकार जनजातीय समाज के प्राचीन गौरव और वैभव को वापस पाने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। लोकतंत्र की जड़ें दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं। अंदरूनी गांवों में भी नियद नेल्ला नार योजना के तहत सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार जैसी मूलभूत अधोसंरचनाएं पहुंच रही हैं। हमने विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण का संकल्प लिया है।

झारखंड में पहले चरण का मतदान खत्म, 64.86 फीसदी वोटिंग

रांची। झारखंड में पहले चरण के तहत 43 विधानसभा सीटों पर आज वोटिंग खत्म हो चुकी है। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। जानकारी के मुताबिक पूरे राज्य में शाम 5:00 बजे तक 64.86 प्रतिशत मतदान हुआ। लोहरदगा जिला 73.21 प्रतिशत मतदान के साथ शीर्ष पर रहा जबकि हजारीबाग जिले में सबसे कम 59.13 प्रतिशत मतदान हुआ। अन्य जिलों में मतदान प्रतिशत सरायकेला-खरसावां में 72.19, गुमला में 69.01, सिमडेगा में 68.66, खूंटी में 68.36, गढ़वा में 67.35, लातेहार में 67.16, पश्चिमी सिंहभूम में 66.87, रामगढ़ में 66.32, पूर्वी सिंहभूम 64.87, चतरा 63.26, पलामू में 62.62, कोडरमा में 62, रांची 60.49 और हजारीबाग में 59.13 रहा। इस चरण में चुनाव मैदान में खड़े प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शामिल हैं, जो सरायकेला में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, उनका मुकाबला झामुमो के गणेश महली से है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा जगन्नाथपुर में कांग्रेस के सोना राम सिंकू के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। लोहरदगा में कांग्रेस नेता रामेश्वर ओरांव का मुकाबला आजसू के शांति भगत से है जबकि जमशेदपुर (पश्चिम) में जद (यू) के सरयू राय का मुकाबला कांग्रेस के बन्ना गुप्ता से है। दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। वर्ष 2019 के चुनाव में झामुमो ने 30 सीट हासिल की थीं जबकि भाजपा ने 25 सीट पर जीत दर्ज की थी।

रोटी-बेटी-माटी को बचाने का संकल्प हर बूथ पर दिखाः मोदी

संथाल। झारखंड में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि संथाल में आदिवासी आबादी आधी हो गई है और झारखंड के लोगों से अपने आदिवासी परिवारों की रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं झारखंड में जहां भी गया हूं, सबसे बड़ी चिंता घुसपैठ को लेकर रही है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, संथाल में आदिवासियों की आबादी आधी रह गई है। हमें अपने आदिवासी परिवारों और हर झारखंडी को इससे बचाना है। मोदी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस के राज में इन घुसपैठियों को राज्य में स्थायी निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किया गया। इन घुसपैठियों ने आपकी नौकरियाँ और रोटी छीन लीं। जेएमएम सरकार ने कोर्ट में कहा कि राज्य में घुसपैठ हुई है। उन्होंने कहा कि रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा इस चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा उनकी रक्षा करेगी। गोड्डा में मोदी ने कहा कि जन-जन में, मन-मन में, हर कोने में, गांव, शहर, पहाड़ सभी ओर एक ही आवाज गूंज रही है- रोटी-बेटी और माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा सरकार।

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस के भव्य आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के कलाकार भी अपनी संस्कृति की झलक बिखेरेंगे। (विस्तृत समाचार पृष्ठ 8 पर)

प्रमुख समाचार

अब गैराज में खड़ा हो जाएगा बुलडोजरः अखिलेश

लखनऊ। बुलडोजर मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बुलडोजर अब गैराज में ही रहेगा। कन्नौज के सांसद कानपुर के सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित कर रहे थे, जो उत्तर प्रदेश की उन नौ सीटों में से एक है जहां 20 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। यूपी में उपचुनाव को लेकर वार-पलटवार की राजनीति तेज है। अखिलेश यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी सरकार का प्रतीक बन चुके बुलडोजर के खिलाफ टिप्पणी की है। सरकार के खिलाफ इस फैसले के लिए मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि जो घर तोड़ना जानते हैं उनसे आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? कम से कम आज तो उनका बुलडोजर गैराज में खड़ा रहेगा, अब किसी का घर नहीं टूटेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ इससे बड़ी टिप्पणी क्या हो सकती है? हमें कोर्ट पर पूरा भरोसा है, एक दिन हमारे विधायक रिहा होंगे और हमारे बीच आएंगे और पहले की तरह काम करेंगे।

अपने पैरों पर खड़े हों, शरद की फोटो न करें इस्तेमालः सुको

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी अजित पवार गुट को नसीहत दी है। एनसीपी शरद की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीपी अजित पवार अपने पैरों पर खड़ी हो। चुनाव में शरद पवार की फोटो का इस्तेमाल न करें। क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेद हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार सुप्रीम कोर्ट के चक्कर लगाने की जगह चुनाव पर ध्यान दें। कोर्ट ने अजित पवार के वकील बलवीर सिंह से कहा कि अपने कार्यकर्ताओं से कहें कि चुनाव में शरद पवार की फोटो, पुरानी या नई वीडियो क्लिप का उपयोग न करें। अपने कार्यकर्ताओं, नेताओं और चुनाव से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच ऑनलाइन सूचना जारी करके ऐसे निर्देश दें। मामले पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हालांकि भारत के लोग बुद्धिमान हैं जो अजित पवार और शरद पवार के बीच अंतर समझते हैं। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस युग में वह धोखा भी खा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को तय की है।

कांग्रेस विधायकों को 50 करोड़ में खरीदना चाहती थी भाजपा

बंगलूरू। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने बुधवार को भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रची थी। विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। लेकिन किसी भी कांग्रेस विधायक ने इस पर सहमति नहीं जताई। अब भाजपा हमारे विधायकों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करा रही है। मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि किसी तरह सिद्धारमैया सरकार को गिराने के लिए भाजपा ने 50 विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की। उनके पास इतना पैसा कहां से आया? क्या पूर्व मुख्यमंत्रियों बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने पैसे छापे? यह सब घूस का पैसा था। सीएम ने कहा कि भाजपा नेताओं ने करोड़ों रुपये कमाए हैं। इस बार हमारे किसी भी विधायक ने उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं किया। इसलिए उन्होंने किसी तरह इस सरकार को हटाने के लिए अभियान शुरू किया है और वे विधायकों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करा रहे हैं।

अडानी अमेरिका में करेंगे 10 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। भारतीय बिजनेसमैन और अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और अमेरिकी ऊर्जा सुरक्षा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 10 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता का ऐलान किया है। एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अडानी ने इसकी जानकारी दी। मशहूर उद्योगपति ने अपने पोस्ट में लिखा कि डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई। जैसे-जैसे भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच साझेदारी गहरी हो रही है, अडानी समूह अपनी वैश्विक विशेषज्ञता का लाभ उठाने और अमेरिकी ऊर्जा सुरक्षा और लचीली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 10 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका लक्ष्य है 15,000 नौकरियाँ सृजित करने का है। इससे पहले अडानी ग्रुप ने देश के मेटल इंडस्ट्री में भारी निवेश करने का ऐलान किया था। मेटल इंडस्ट्री में अडानी ग्रुप 5 बिलियन डॉलर (करीब 42 हजार करोड़ रुपये) का निवेश कर रही है। इस मेटल कारोबार में खनन, शोधन और तांबा, लोहा, इस्पात और एल्युमीनियम के प्रोडक्शन पर फोकस किया जाएगा।

बिना मान्यता ही नए अधिकारी की नियुक्ति, मचा बवाल!

मुंबई। अफगानिस्तान पर शासन करने वाले तालिबान ने भारत की मुंबई में अफगान महावाणिज्य दूतावास में एक नए प्रमुख की नियुक्ति की है। तालिबान की कार्यवाहक सरकार ने मुंबई में डॉक्टर इक्रामुद्दीन कामिल को कार्यवाहक वाणिज्य दूत के रूप में नियुक्त किया है। अफगानिस्तान की बगदाद न्यूज एजेंसी के अनुसार काफिल अब मुंबई में इस्लामिक अमीरात का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि इक्रामुद्दीन कामिल के पास अंतरराष्ट्रीय कानून में पीएचडी की डिग्री है। विदेश मंत्रालय सुरक्षा सहयोग और सीमा मामलों के विभाग में उप निदेशक काम कर चुके हैं। ये नियुक्ति तालिबान के लिए एक अहम कदम है। इससे विदेशों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की उसकी कोशिशें साफ जाहिर होती हैं साथ ही भारत अफगानिस्तान के बीच काउंसलर सेवाओं को फिर से शुरू करने की उम्मीद बढ़ जाती है। कामिल ने सात साल तक भारत में अध्ययन किया है। यह भारत में किसी भी अफगान मिशन में तालिबान द्वारा की गई पहली ऐसी नियुक्ति है। इस नियुक्ति पर भारतीय पक्ष की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई।

जो वादा किया है, निभाना पड़ेगा, आसान नहीं है दावों को हकीकत में बदलना

शशांक

अमेरिकी चुनाव के नतीजों में डोनाल्ड ट्रंप को मिली स्पष्ट जीत के पीछे महंगाई, बेरोजगारी, अवैध आप्रवासन, व्यापार, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी अशांति को लेकर उनकी स्पष्टवादिता को ही श्रेय दिया जाना चाहिए। वहीं, कमला हैरिस महत्वपूर्ण मौकों पर कई मुद्दों पर अपनी कोई स्पष्ट राय व्यक्त नहीं कर सकीं। वह राष्ट्रपति जो बाइडन की छाया से ही आगे नहीं निकल सकीं। इतना ही नहीं, जो भारतवंशी पहले कमला हैरिस की ओर झुकाव रखते थे, वे भी ट्रंप की ओर हो गए।

कमला के भारतवंशी होने की वजह से अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोग भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ गए थे, लेकिन पिछले चार वर्षों में उपराष्ट्रपति रहते हुए वह कभी भारत नहीं आईं। हैरिस का झुकाव भारतवंशियों के बजाय अफ्रीकी समुदाय के साथ ज्यादा रहा। दूसरी ओर, ट्रंप ने खुलकर हिंदुओं का पक्ष लिया। ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का भी विरोध किया। इसका नतीजा यह हुआ कि जो भारतवंशी समाज पहले डेमोक्रेट्स के पक्ष में रहता था, वह भी रिपब्लिकन की ओर खिसक गया। डेमोक्रेट्स का झुकाव अवैध प्रवासियों की ओर था, जो उनको वहां की नागरिकता देने के साथ ही वोट देने का अधिकार भी देना चाहते थे। ट्रंप ने इस पर सख्ती करने का वादा किया और जीत के बाद भी इस वादे को पूरा करने की बात भी कही है।

बाइडन अंत तक खुद राष्ट्रपति पद की दौड़ में बने बेशक रहे, लेकिन सच तो यही है कि वह पहली ही बहस में ट्रंप से पिछड़ चुके थे। जी-20 या जी-7 जैसे अहम सम्मेलनों में भी बाइडन के हावभाव ही उनके दुश्मन बन गए थे। तिस पर जब पार्टी ने दबाव बनाया, तब वह पीछे हटे और कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया। कमला को चुनाव प्रचार करने का कम समय मिला और वह अपनी ऐसी कोई छवि नहीं बना सकीं कि वह बाइडन से इतर कुछ नया करेंगी। दूसरी तरफ, ट्रंप अपने रुख पर कायम रहे, जिससे वह मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित कर सके।

अमेरिका के चुनावी नतीजों का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत में भी कमला के बजाय ट्रंप को ज्यादा पसंद किया जाना, यही दर्शाता है कि ट्रंप लोगों तक अपनी बात पहुंचाने में सफल रहे। उम्मीद की जानी चाहिए कि ट्रंप के आने से भारत और अमेरिका के रिश्ते मजबूत ही होंगे। उनके हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अच्छे रिश्ते हैं। व्यापार टैरिफ को लेकर भले ही ट्रंप ने कहा है कि वह भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाएंगे, लेकिन इस मसले को भारत कूटनीति के जरिये निपटा लेगा। दरअसल, ट्रंप का मुख्य उद्देश्य चीन पर नकेल कसना है। ट्रंप के कार्यकाल के पिछले चार वर्षों को देखा जाए, तो उनके भारत से ताल्लुकात ठीक रहे थे। भारत-चीन संबंधों को अमेरिका के नजरिये से देखें, तो अमेरिका की शुरू से ही चीन को लेकर स्पष्ट नीति रही है, सत्ता में चाहे डेमोक्रेट्स रहें या रिपब्लिकन। अमेरिका चीन को आगे बढ़ता हुआ नहीं देखना चाहता है। ट्रंप भी उसे जारी रखना चाहेंगे, लेकिन वह भारत के हितों को महत्व देंगे। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) प्रोजेक्ट के माध्यम से चीन भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना रहा है। यह भारत के लिए ठीक नहीं है, इसलिए चीन पर नियंत्रण के लिए भारत के अमेरिका के साथ मजबूत संबंध होना आवश्यक है। अमेरिका भी समझता है कि भारत उसके लिए कितना महत्वपूर्ण साझीदार है। बाइडन के समय भी भारत को तवज्जो मिली थी। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी संसद में भाषण दिया था, लेकिन बाइडन के कार्यकाल में कुछ ऐसे मुद्दे थे, जो भारत के लिहाज से ठीक नहीं थे। खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का भारत पर आरोप कनाडा ने अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए से मिले स्रोतों के आधार पर लगाया था। उसने खबर भी अमेरिकी अखबार में छपवाई थी। गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में भी बाइडन सरकार ने भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की। संभावना है कि ट्रंप के आने के बाद से इस तरह की बातें नहीं होंगी। कनाडा के भारत के प्रति रुख में बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं।

अमेरिका की हर गतिविधि का असर वैश्विक और भू-राजनीतिक संबंधों पर होता है। ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति चुने गए थे, तो उनके कार्यकाल में दुनिया में कोई बड़ा युद्ध नहीं हुआ, लेकिन बाइडन के रहते रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ। पश्चिमी एशिया में हालात बिगड़ गए। नाटो के अस्तित्व पर भी सवाल उठे। अब ट्रंप के सामने चुनौती यह होगी कि उन्होंने जो वादे किए हैं, उन्हें किस तरह पूरा करेंगे। अमेरिका में महंगाई रोकने के लिए उन्होंने करों में कटौती का वादा किया, जिसे वह पद संभालते ही पूरा कर सकते हैं। वह अवैध आप्रवासन को रोकने के लिए सख्त कदम उठा सकते हैं। चीन समेत अन्य देशों से आयात होने वाले सामान पर भी वह टैरिफ बढ़ा सकते हैं। इस तरह से इन तीन वादों को पूरा करना उनके लिए इतना मुश्किल नहीं होना चाहिए। लेकिन सबसे मुश्किल चुनौती यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल का गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला तथा ईरान के साथ जो युद्ध चल रहा है, उनको वह किस तरह रुकवाते हैं। पूरे चुनाव अभियान के दौरान यही वादा उनके पक्ष में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को तत्काल रुकवा देंगे। पश्चिम एशिया के हालात पर भी नियंत्रण कर लेंगे।

वहीं डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस और उनकी पार्टी इस मामले में पिछड़ गई थी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव की वजह से मुस्लिम देशों के कई लोग यूरोप पहुंच गए हैं।

बस्तर ओलंपिक में युवाओं के साथ महिलाएं भी दिखा रहीं अपनी प्रतिभा

जगदलपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोडऩे सहित उनकी खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। इस अनूठी पहल का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना, खेल प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर उनके विकास का मार्ग प्रशस्त करना है। गांव-गांव से सीधे विकाखण्ड स्तर पर खेलने आये लोगों में उल्लास और जोश का संचार कर रहा है, जिसमें बच्चे, बड़े, महिलाएं और बुजुर्ग सभी बड़े उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में कबड्डी, ऊंची कूद, लंबी कूद, रस्साकसी, खो-खो, फुटबाल, व्हालीबॉल और तीरंदाजी जैसे खेल विधा शामिल किए गए हैं। इन खेलों का आयोजन न केवल बच्चों और युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है बल्कि महिलाओं और बुजुर्गों में भी जबरदस्त उत्साह

देखा जा रहा है। वर्तमान में बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में बस्तर ओलम्पिक 2024 का आयोजन से बड़ी संख्या में युवाओं के साथ ही आम नागरिक उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें करीब एक लाख 70 हजार से अधिक खिलाडिय़ों ने पंजीयन कराया है।

बस्तर ओलंपिक में स्थानीय खेलों को विशेष महत्व दिया गया है। इनमें कबड्डी, खो-खो, तीरंदाजी, और विभिन्न ग्रामीण खेल शामिल हैं, जो स्थानीय युवाओं की संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। इन खेलों में भाग लेकर युवा अपनी परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं और अपनी जड़ों से जुड़े रह रहे हैं। बस्तर जिले के दरभा विकासखण्ड अंतर्गत चिंगपाल में आयोजित खण्ड स्तरीय बस्तर ओलम्पिक स्पर्धा में अंदरूनी दूरस्थ क्षेत्र मुण्डागढ़ निवासी युवक शोभाराम नाग ने सीनियर वर्ग तीरंदाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया और अब जिला स्तरीय बस्तर ओलम्पिक में अपनी श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने संकल्प व्यक्त करते बताया कि खेती-किसानी से जुड़े परिवार का होने के कारण स्वयं गांव में ही अभ्यास जारी रखा है। अब पहली बार पुरस्कार मिलने से वह उत्साहित है और निरंतर अभ्यास के द्वारा खुद के क्षमता में सुधार करने के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास करेगा। इसी तरह सुदूर ईलाके पखनार की ग्रामीण महिला कमली ने सीनियर वर्ग 100 मीटर दौड़ में पहला स्थान अर्जित करने पर कहा कि अब अभ्यास के लिए और ज्यादा ध्यान देंगी। वहीं पखनार के ही मनीराम ने सीनियर वर्ग लम्बी कूद में प्रथम स्थान हासिल करने पर खुशी जताते कहा कि अब जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। इन खिलाडियों के साथ ही उक्त क्षेत्र के अन्य युवाओं ने भी विभिन्न खेल विधा में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर अपनी श्रेष्ठता साबित की। ज्ञात हो कि बस्तर जिले के दरभा विकासखण्ड अंतर्गत उक्त दूरस्थ ईलाके पहले धुर माओवाद प्रभावित क्षेत्र थे लेकिन अब सुरक्षा बलों के कैम्प खुलने से सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास से इन क्षेत्रों में बदलाव की बयार बह रही है और लोग समाज की मुख्यधारा में जुड़कर प्रदेश की विकास में सहभागिता निभा रहे हैं।

कोयला खदान में फिर भड़की आंदोलन की आग

■ चार दिन से हड़ताल पर हैं कलिंगा ठेका कंपनी के कर्मचारी

कोरबा। कोरबा में बोनस और सरकारी अवकाश के पैसे देने की मांग को लेकर एसईसीएल मानिकपुर खदान में निजी ठेका कंपनी कलिंगा के कर्मचारी पिछले चार दिनों से हड़ताल कर रहे हैं। कर्मचारियों के हड़ताल से मिट्टी ओव्हरबर्डन का काम पूरी तरह से ठप्प है, जिससे कंपनी को करोड़ों की क्षति उठानी पड़ रही है।

कोरबा में एसईसीएल की मानिकपुर कोल परियोजना में विरोध की आग एक बार फिर से भड़क गई है। खदान में नियोजित निजी ठेका कंपनी कलिंगा के सैकड़ों कर्मचारी आंदोलन पर चले गए हैं। पिछले तीन दिनों से उनके द्वारा काम बंद कर आंदोलन किया जा रहा है। कर्मचारी बोनस और सरकारी अवकाश के रुपयों की मांग कर रहे हैं। कर्मचारी खदान के भीतर वाहनों को खड़ा कर

आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन से खदान में मिट्टी ओव्हरबर्डन का काम पूरी तरह से ठप्प हो गया है। खदान के भीतर 60 से 70 की संख्या में वाहन खड़े हैं और कर्मचारी ठेका कंपनी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। कर्मचारियों के आंदोलन से ठेका कंपनी को करोड़ों का नुकसान हो सकता है। कर्मचारियों को मनाने कंपनी के अधिकारी भी पहुंचे लेकिन मांग पूरी नहीं होने की स्थिती में उन्हें चलता कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि कलिंगा कंपनी के कर्मचारी दशहरा से पहले ही अपनी मांग कंपनी के समक्ष रखे हैं और काफी लंबे समय से आंदोलन रखें इसके बावजूद भी उनकी मांगे अब तक पूरी नहीं हुई है इस बार सभी कर्मचारियों ने ठोस निर्णय लेते हुए सभी गाड़ियों को खदान में खड़ी कर आंदोलन पर उतारा है उनकी मांग है कि जब तक बोनस की राशि और छुट्टी अवकाश की राशि नहीं मिलेगी तब तक वाहन नहीं चलाएंगे।

बताया जा रहा है कि आंदोलन की सूचना के बाद कलिंगा कंपनी के इंचार्ज मोहती मौके पर पहुंचे हुए थे और कर्मचारियों को समझने का प्रयास कर रहे थे लेकिन उसके बावजूद भी कर्मचारी उनकी बातों को नहीं माने और आंदोलन अभी भी जारी है। इस आंदोलन से कलिंगा कंपनी को करोड़ों का नुकसान हो सकता है। कलिंगा कंपनी खदान में पिछले कई सालों से मिट्टी डंपिंग का काम करते आ रही है।

मवेशी तस्करी करते चार आरोपी गिरफ्तार, दो कंटेनर से मवेशी बरामद

खरोरा से बेंगलुरू लेकर जा रहे थे तस्कर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में पुलिस के तमाम सख्ती के बावजूद मवेशी तस्करों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। मंगलवार की दरमियानी रात दुर्ग पुलिस ने मवेशी तस्करी करने वाले चार लोगों को हिरासत धर दबोचा है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी तस्करों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। भिलाई पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर आगे कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, चारों आरोपी खरोरा से मवेशियों को दो कंटेनर में भरकर कर्नाटक के बेंगलुरू लेकर जा रहे थे। इसी बीच हिंदू संगठनों को मुखबिर से सूचना मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचित किया। जिसके बाद पुलिस ने सुपेला थाने के पास तमिलनाडु पासिंग दो कंटेनर ट्रकों को रोक कर पूछताछ की। पहले तो ड्राइवर ने पुलिस को गुमराह किया, लेकिन जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो ड्राइवर ने कंटेनर खोला, जिसमें 16 गोवंश थे। पुलिस ने सभी गोवंश को बरामद कर लिया है।

सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया 12 और 13 नवंबर की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना मिली कि दो वाहनों में गोवंश की तस्करी की जा रही है। दोनों वाहन तमिलनाडु पासिंग के हैं। सूचना मिलते ही सुपेला पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहनों को रोका गया। दोनों वाहनों की चेकिंग करने पर कुल 16 गोवंश मिले। दोनों वाहनों को विधिवत सुपेला पुलिस ने जब्त कर पशु क्रूरता अधिनियम और छत्तीसगढ़ कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। साथ ही चोरों वाहन चालकों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज किया गया है।

दुर्ग पुलिस चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे कार्रवाई कर रही है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को गौवंश खरीदने के संबंध में कुछ कागजात दिखाए हैं, जिसकी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। लेकिन उनके पास कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी का पशुओं के सिलसिले में जारी परिवहन पास नहीं पाया गया है। अब जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

बिलासपुर में मोबाइल मेडिकल यूनिट स्वास्थ्य विभाग और नगनिगम के समन्वय से चलेगा

मोबाइल मेडिकल यूनिट का उपयोग अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी किया जा सकेगा

बिलासपुर। बिलासपुर में मेडिकल मोबाइल यूनिट का संचालन नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से किया जाएगा। अभी यह मोबाइल मेडिकल यूनिट मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शहर की स्लम एरिया में नगर निगम द्वारा संचालित किया जाता था।

कलेक्टर बिलासपुर द्वारा जारी निर्देश के बाद अब शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम का यह मोबाइल मेडिकल यूनिट शहरी स्लम एरिया के साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन में भी उपयोग किया जा सकेगा। मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन एवं संधारण के संबंध में कलेक्टर द्वारा जारी निर्देश के अनुसार स्वास्थ विभाग द्वारा संचालित वैक्सीनेशन, सिकलिंग परीक्षण,एनसीडी एवं स्पूटम सेम्पलिंग के संबंध में मोबाइल यूनिट के लैब टेक्नीशियन, स्टाफ नर्स नर्स मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद स्वास्थ्य विभाग के निर्देशन में कार्य करेंगे। मोबाइल मेडिकल यूनिट

में आने वाले मरीजों की कुल संख्या का न्यूनतम 50त्न मरीजों का सिकलिंग परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाएगा। नगर निगम के समस्त स्वच्छता कर्मचारियों एवं कार्यायलीन कर्मचारियों का संपूर्ण शारीरिक जांच 15 दिवस के भीतर किया जाना है। इस संबंध में मोबाइल मेडिकल यूनिट के लैब टेस्ट के अलावा आवश्यक आउट सोर्स टेस्ट शामिल किया जाना अनिवार्य होगा। समस्त मोबाइल मेडिकल यूनिट में आने वाले मरीजों का लैब टेस्ट संबंधित डाटा सीएमएचओ कार्यालय को प्रतिदिन उपलब्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम, जिसका क्रियान्वयन फील्ड से संबंधित है,ऐसे सभी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन के लिए आवश्यक दवाइयां और सामग्री न्यूनतम 1 वर्ष की शेष एक्सपायरी डेट की दी जाएगी। जारी निर्देश के अनुसार मोबाइल मेडिकल यूनिट में यदि ऐसी औषधियां उपलब्ध हो जिसकी खपत कम हो रही है एवं एक्सपायरी डेट 2 माह से कम हो, उसे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को वापस की जाएगी। इसका उपयोग सीएमएचओ द्वारा शासन के अधीन संचालित औषधालय के माध्यम से किया जाएगा।

बीएसपी में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का हो रहा रिसाव

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित भिलाई स्टील प्लांट में एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस में रिपेयरिंग कार्य के दौरान स्टोव नंबर 18 में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का रिसाव शुरू हो गया है। ब्लास्ट फर्नेस 6 में हड़कंप मच गई है। गैस के रिसाव के चलते देखते ही देखते वहां मौजूद तीन मजदूर बेहोश हो गए। तीनों मजदूरों को बेहोशी की हालत में तत्काल रेस्क्यू कर मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया गया। मजदूरों की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तीनों मजदूरों को पंडित जवाहर लाल नेहरू सेक्टर 9 अस्पताल रिफर किया है। फिलहाल तीनों में से 1 मजदूर की स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है। वहीं गैस रिसाव की खबर मिलते ही बीएसपी प्रबन्धन के आलाअधिकारी घटनास्थल पहुंचे और जांच की प्रक्रिया शुरू की। हालांकि गैस रिसाव का कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है। जानकारी के मुताबिक गैस की चपेट में आए तीनों मजदूरों में मोहम्मद मेराज, हरिचरण और मोहन लाल गुप्ता शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस का स्तर 50 पीपीएम पर होना चाहिए। लेकिन अचानक गैस के रिसाव से स्तर 150 पीपीएम तक बढ़ गया जिससे मजदूर बेहोश हो गए। 5 मिनट की भी देरी होने पर सभी श्रमिकों की जान भी जा सकती थी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

कोरिया। जिला प्रशासन ने बचरा पोड़ी तहसील के पोड़ी में 16 नवंबर 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिला अधिकारियों से कहा है कि उक्त शिविर में पहुंचकर महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में आम लोगों को अवगत कराएं। श्रीमती त्रिपाठी ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा है कि इस शिविर में बड़ी संख्या में आए और अपनी समस्याओं को दर्ज कराएं। बता दें जनसमस्या निवारण शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना और जनहित के मुद्दों पर तत्परता से कार्यवाही करना है। इन शिविरों में जिला प्रशासन व विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। शिविर के दौरान नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकेंगे और तुरंत आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकेंगे। प्रशासन ने आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं प्रस्तुत करने का आग्रह किया है, ताकि समय पर उनका निवारण हो सकें।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जशपुर में पदयात्रा

जशपुर। भगवान बिरसा मुंडा 'माटी के वीर पदयात्रा' बुधवार को जशपुर के पुरना नगर मैदान से हुई शुरू। पदयात्रा में केंद्रीय युवा कार्यक्रम, खेल, श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 10 हज़ार से अधिक माय भारत युवा स्वयंसेवकों के साथ पदयात्रा कर रहे हैं। माटी के वीर पदयात्रा में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग, कृषि विकास एवं कृषि कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिक विभाग मंत्री रामविचार नेताम, खेल एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े, सांसद राधेश्याम राठिया, विधायक श्रीमती गोमती साय, विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, विधायक रामकुमार टोप्पो, विधायक सुशांत शुक्ला, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती प्रियम्वदा सिंह जूदेव शामिल हैं।

नकली पिस्तौल हाथ में लेकर डाली तस्वीरें, गिरफ्तार

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार के इंदिरा कॉलोनी के रहने वाले दीपक वर्मा को इंस्टाग्राम पर नकली पिस्तौल दिखाकर फोटो अपलोड करना भारी पड़ गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि दीपक वर्मा ने लगभग दो वर्ष पहले इंस्टाग्राम पर नकली पिस्तौल के साथ अपनी तस्वीरें अपलोड की थीं। दीपक ने ये तस्वीरें लोगों को भयभीत करने और सोशल मीडिया पर अपनी एक विशेष छवि बनाने के उद्देश्य से डाली थीं। इस तरह के कृत्य से समाज में भ्रांति फैलाने और भय का माहौल बनाने का प्रयास किया गया। साइबर सेल बलौदा बाजार ने दीपक वर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर नजर रखी और आज बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दीपक ने माना कि वह अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर रौब जमाने और खुद को खास दिखाने के लिए डाल रहा था। पुलिस ने दीपक से नकली पिस्तौल जप्त की और उसे प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत सिटी कोतवाली में बंद कर दिया।

धान खरीदी से पहले बारदाना गोदाम में लगी भीषण आग

जगदलपुर। पूरे प्रदेश के साथ जिले में 14

नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी से पहले बड़ा हादसा हो गया है। जगदलपुर से सटी अड़ावाल इलाके में देर रात बारदाने के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे गोदाम में रखा सारा बारदाना जलकर खाक हो गया। जानकारी के अनुसार, बोधघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित बारदाना गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की। काफी प्रयासों के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह गोदाम के पास पटाखे जलाना बताया जा रहा है। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

सोशल मीडिया में हवाबाजी करना पड़ा भारी

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाजार

एसएसपी विजय अग्रवाल और कलेक्टर दीपक सोनी बलौदाबाजार ने जिले में लगातार हो रही हिंसक घटनाओं को देखते हुए सोशल मीडिया सेंटर का गठन किया है, जिसमें 24म7 लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। वहीं सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेशों, भ्रमात्मक खबरों और डर भय पैदा कर दहशत फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की का रही है। बता दें, पुलिस ने आज जिले के एक सोशल मीडिया दीपक यूजर पर कारवाई की है, जिसने हाथों में पिस्टल लिये तस्वीर पोस्ट की थी। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया है। पुलिस का कहना है कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप का उपयोग सामान्यत: हर दूसरा व्यक्ति कर रहा है। सोशल मीडिया में असावधानी बरतना, बिना सोचे-समझे ही फोटो वीडियो अपलोड कर देना, एक जघन्य अपराध की श्रेणी में आता है।

गौरेला में राम कथा एवं विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

पेंड्रा। परम शांति धाम गौरेला में युवा शक्ति के राष्ट्रीय स्वाभिमान के जागरण के उद्देश्य से विशाल हिंदू सम्मेलन व संगीतमय राम कथा का आयोजन हो रहा है । प्रात:कालीन सत्र में आचार्य मुकेश द्वारा युवा शक्ति को योग, प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास कराया जा रहा है जिससे युवा व वृद्ध सभी लाभांवित हो रहे हैं । परम शांति धाम में अखंड राम नाम का कीर्तन सतत रूप से प्रारंभ हुआ है। नगर वासी आश्रम में पहुंचकर सभी सत्रों का लाभ उठा रहे हैं।साध्वी विजया जी के द्वारा युवा शक्ति को महाभारत व अन्य शास्त्रों से नीति की कथा सुनाई जाती है। साध्वी विजया जी ने नीति कथा के माध्यम से युवाओं को मन से मोह की पट्टी को उतारने के बारे में बताया । सभी नगर वासी और आसपास के ग्रामवासी बड़ी संख्या में आश्रम के प्रमुख स्वामी परमात्मानंद जी से आशीर्वाद प्राप्त

करने प्रतिदिन पहुंच रहे हैं । संगीत में श्री राम कथा का मधुर वाचन अयोध्या से पधारे परम भक्त व रामायण के विद्वान स्वामी श्री देवेश्वरानंद जी के द्वारा प्रतिदिन सायं 3 बजे से किया जा रहा है ।

तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हो चुका है जिसमें अभी तक श्री राम कथा में स्वामी देवेश्वर आनंद जी द्वारा शिव विवाह, दक्ष यज्ञ भंग, सती जी का देह त्याग, नारद जी के मोह की कथा और श्री राम जन्म का प्रसंग सुनाया जा चुका है ।

कार्यक्रम में आश्रम के संस्कृत विद्यालय के बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति सभी का मन मोह ले रही है। करीब 45 गांव की मानस मंडलियों द्वारा मानस गान प्रतियोगिता में प्रस्तुतिकरण दिया जा रहा है । गौरेला पेंड्रा नगर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा भजन गायन प्रतियोगिता में प्रस्तुतीकरण दी गई जिसमें ष्ठङ्क पब्लिक सारबहरा स्कूल की बहन आराध्या विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान, मां कल्याणीका पब्लिक स्कूल की बहन देवांशी दुबे ने द्वितीय स्थान एवम् स्वामी परमानंद संस्कृत विद्यालय की बहन साक्षी एक्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार 14 नवंबर के दिन प्रदान किया जाएगा। 14 नवंबर के दिन सुबह 11 से 1 बजे तक विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। हिंदू सम्मेलन के उपरांत विशाल भंडारा का आयोजन किया जायेगा जिसमें आप सभी हिंदू बंधु और भगनी सादर आमंत्रित हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री हर्ष छाबरिया एवं उपाध्यक्ष श्री संदीप सिंघाई जी ने सभी नगर वासियों एवं ग्राम वासियों को इस सम्मेलन में सादर आमंत्रित किया है एवं सभी प्रतियोगियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रदान की है।

कोरिया जिला अस्पताल में हमर लैब का काम अटका

कोरिया। छत्तीसगढ़ के बैकुंठपुर जिले के जिला अस्पताल में बन रही हमर लैब का निर्माण पिछले एक साल से आधा-अधूरा पड़ा हुआ है। जिससे मरीजों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में 114 प्रकार की जांचें शुरू होने वाली थीं। लेकिन लैब के फिनिशिंग कार्य, केबिन और उपकरणों की स्थापना का काम अब तक पूरा नहीं हो पाया है। इस वजह से कई जरूरी मेडिकल टेस्ट अस्पताल में शुरू नहीं हो पाए हैं। जिसके कारण मरीजों को निजी सेंटरों में जाकर महंगी जांच करवानी पड़ रही है।

हमर लैब का निर्माण एक साल से ठप पड़ा हुआ है, जबकि यह लैब जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर और अधिक जांच सुविधाएं प्रदान करने के लिए बन रही थी। वर्तमान में अस्पताल में 70 प्रकार के टेस्ट हो रहे हैं, लेकिन लैब खुलने के बाद 114 प्रकार के टेस्ट हो सकेंगे। इनमें हॉर्मोन संबंधी टेस्ट, माइक्रोबायोलॉजी, स्पेशल साइटोलॉजी और ब्लड कल्चर टेस्ट भी शामिल होंगे, जो मरीजों के लिए राहत की बात है।

सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह ने कहा हमर लैब का काम जिस ठेकेदार को दिया गया था। उसने कार्य पूरा नहीं किया। ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। नए ठेकेदार को कार्य सौंपा जाएगा, प्रक्रिया पूरा होने के बाद कार्य में तेजी आएगी।

हमर लैब का काम अटका = इसके अलावा लैब को पहली मंजिल पर शिफ्ट कर दिया गया है। जिससे विशेष रूप से बुजुर्ग और दिव्यांग मरीजों को सीढ़ियां चढ़ने में समस्या हो रही है।कई बार फर्श पर पानी भी रहता है, जिससे मरीज गिरकर चोटिल हो चुके हैं। ऐसे में अस्पताल की व्यवस्थाएं पहले से ही चुनौतीपूर्ण हो चुकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनजातीय गौरव दिवस : मंत्री देवांगन कोरबा के समारोह में होंगे मुख्यतिथि

रायपुर। स्वंतत्रा संग्राम सेनानी भगवान बिरसामुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस पर 15 नवम्बर 2024 को जिला मुख्यालय कोरबा में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन होगें।

वोटर टर्न आउट एप के माध्यम से जान सकते हैं वोटर टर्न आउट की अद्यतन स्थिति

रायपुर। रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उपनिर्वाचन-2024 मतदान तिथि 13 नवंबर को आम नागरिक मतदान प्रतिशत की जानकारी वोटर टर्न आउट मोबाइल एप का उपयोग कर देख सकते हैं। वोटर टर्नआउट एप के माध्यम से वोटर टर्न ऑउट (मतदान प्रतिशत) की अद्यतन स्थिति जान सकते हैं।

ग्राम गोछिया में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर स्थगित

कवर्धा। सहसपुर लोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोछिया में आज 13 नवंबर 2024 को आयोजिति जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर स्थगित हो गया है। अब यह शिविर 21 नवम्बर 2024 गुरुवार को होगा। शिविर में 25 गांव शामिल है,जिसमें ग्राम कुम्हारदनिया, कारेसरा, चारभांटा, गांगीबहरा, राजपुर, अचानकपुर, सिंघनपुरी, गोछिया, बगबई, सेमरिया, खैरझिटी, गोरखपुर कला, कुंआ, बंधी, सिघौरी, गैंदपुर, दानीघटोली, धरमगढ़, भाठकुण्डेरा, सुरजपुरा, कोहडिया़, रामुपर ठाठापुर, ढोरली, हरदी, गोरखपुर खुर्द है।

केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री से राज्यपाल डेका ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री श्री सी. आर. पाटिल से आज नई दिल्ली में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर राज्यपाल के परिजन भी उपस्थित थे।

गांजा तस्करी करते आरोपी अरेस्ट, मुंबई ले जाया जा रहा था नशे का सामान

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने गांजा तस्करी करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।आरोपी के पास से पुलिस ने 17.82 किलो गांजा बरामद किया है।इसके साथ ही पुलिस ने 8 लाख का वाहन और 74 सौ रुपए नकद बरामद किया है। आरोपी कांकेर से गांजा लाकर उसे मुंबई में बेचने की तैयारी की थी। पुलिस के मुताबिक 12 नवंबर 2024 को अंजोरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक वाहन एमएच 43 सीई 5609 में अवैध गांजा लाया जा रहा है। पुलिस ने सूचना मिलने पर तुरंत टीम गठित कर महमरा-जालबांधा रोड पर नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहन को पकड़ा। एएसपी सुखनंदन राठौर ने कहा वाहन की तलाशी में 17.82 किलो गांजा, 7400 रुपये की नकद, एक मोबाईल फोन और आरोपी का ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ।आरोपी की पहचान अब्दुल राशिद अली के रूप में हुई, जो मुंबई के अकोला का निवासी है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह गांजा मुंबई ले जा रहा था। जहां उसे बेचने की योजना थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।उसके खिलाफ नशे के खिलाफ विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की।आपको बता दें कि अक्सर गांजा तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए अलग-अलग तरीकों से गांजा की तस्करी करते हैं।इस बार आरोपी ने पार्सल की बोरियों में गांजा छिपाकर रखा था।

चिरमिरी से केल्हारी पहुंचा दंतैल हाथी, गांवों में हाई अलर्ट

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जिले में पिछले कुछ दिनों से एक दंतैल हाथी की दहशत बनी हुई है। यह दंतैल हाथी पहले चिरमिरी वन परिक्षेत्र में था, जो अब केल्हारी वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहा है। हाथी के क्षेत्र बदलने की खबर लगते ही वन विभाग के कर्मचारी सतर्क हो गए हैं। आसपास के ग्रामीणों को भी अलर्ट किया जा रहा है। एमसीबी जिले में केल्हारी वन परिक्षेत्र के अधिकारी रघुराज सिंह ने कहा कि यह दंतैल हाथी काफी बड़ा और खतरनाक हो सकता है। इसलिए सभी ग्रामीणों को एहतियात बरतने की आवश्यकता है। वन विभाग की टीम दंतैल हाथी के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है। अधिकारी रघुराज सिंह ने कहा दंतैल हाथी से ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें किया गया है। गांववालों को रात में घर के बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जा रही है। वन विभाग की टीम ने अनुमान लगाया है कि हाथी देर रात मध्य प्रदेश की ओर बढ़ सकता है। ग्रामीणों को सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर तुरंत वन विभाग को सूचित करने अपील की गई है।

एमसीबी में गुरु नानक प्रकाश पर्व पर उत्साह, सिख समाज का नगर कीर्तन

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। 15 नवंबर 2024 को गुरु नानक जयंती है। गुरु नानक सिख धर्म के प्रवर्तक हैं। इसे गुरु पर्व भी कहा जाता है। इस अवसर पर सरगुजा संभाग के मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में सिख समाज ने भव्य कीर्तन का आयोजन किया। सिख समाज के लोग अपनी संस्कृति और श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए पूरे एमसीबी में नगर कीर्तन निकाला। नगर कीर्तन के दौरान भारी संख्या में सिख धर्म के लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर सिख समाज के लोग और श्रद्धालुओं ने पालकी पर मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। इस दौरान नगर कीर्तन जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों से गूंज उठा। भव्य नगर कीर्तन में पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। सिख समाज के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ में आज से शुरू होगी धान खरीदी

खाद्य मंत्री दयालदास बोले- किसानों का धान खरीदना सरकार की प्राथमिकता, समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में 14 नवंबर से धान की खरीदी शुरू होने जा रही है। धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक प्रारंभिक तैयारियां पूरी कर ली गई है। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि प्रदेश के किसानों से धान खरीदी की योजना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। मंत्री बघेल ने आज अपने रायपुर स्थित निवास कार्यालय में राज्य स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर धान खरीदी व्यवस्था की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने मंत्री बघेल को अवगत कराया कि धान उपार्जन के संबंध में संपूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राज्य में 2739 उपार्जन केन्द्रों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदा जाएगा।

खाद्य मंत्री बघेल ने बताया कि इस खरीफ सीजन के लिए प्रदेश में पंजीकृत कृषकों की संख्या 27,01,109 है। इस वर्ष 1,35,891 नये किसान पंजीकृत हुए हैं, जिससे 1,36,263 हेक्टेयर नवीन रक्बों का पंजीयन किया गया है। कुल 34,51,729 हेक्टेयर रक्बे में पंजीयन अनुसार धान उपार्जन का अनुमान है। सभी उपार्जन केन्द्रों

में बायोमैट्रिक डिवाईस के माध्यम से उपार्जन की व्यवस्था की गई है। छोटे, सीमांत और बड़े कृषकों के द्वारा उपजाये गए धान को निर्धारित समर्थन मूल्य में खरीदा जाएगा। इसके लिए 07 नवंबर से ही टोकन आवेदन की व्यवस्था आरंभ कर दी गई है। खरीदी सीजन में लघु एवं सीमांत कृषकों को अधिकतम 2 टोकन एवं बड़े कृषकों को 3 टोकन की पात्रता होगी।

मंत्री बघेल ने बताया कि धान खरीदी अवधि 14 नवंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 के दौरान किसान अपना धान खरीदी केन्द्रों में लाकर समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकते है। खरीदी केंद्रों में तौल के लिए इलेक्ट्रानिक कांटा-बांट की व्यवस्था किया गया है। खरीदी केंद्रों से धान का उठाव मिलर एवं परिवहनकर्ता के माध्यम से समयानुसार कराने के निर्देश दिए गए हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था से लेकर छांव, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।

समस्याओं का समाधान पाने इस नंबर पर करें कॉल

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि धान उपार्जन केन्द्रों में शिकायत एवं निवारण के लिये हेल्प लाइन नंबर भी चस्पा कर दिये गये हैं। विपणन संघ मुख्यालय स्तर पर शिकायत निवारण के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है, जिसका नं। 0771-2425463 है। धान बेचने वाले किसानों को समय पर भुगतान के लिए मार्कफेड द्वारा राशि की व्यवस्था कर ली गई है। समितियों में राशि आहरण के लिए ''माइक्रो एटीएम'' की व्यवस्था भी दी जा रही है, जिससे कि किसानों को सुविधा हो। किसानों द्वारा समिति में धान विक्रय के 72 घंटे के भीतर राशि किसानों के बैंक खाते में अंतरित कर दी जायेगी। खाद्य मंत्री बघेल के निर्देश पर धान रिसाइकलिंग बोगस खरीदी पर नियंत्रित करने के लिए अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय टीम द्वारा राज्य के अलग अलग संभागों में जिला कलेक्टरों के साथ संभाग स्तर पर विशेष कार्ययोजना बनाई गई है।

दूसरे राज्यों का धान रोकने सीमावर्ती क्षेत्रों में बनाए चेक पोस्ट

राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है एवं चेक पोस्ट की स्थापना की गई है। मंडी विभाग द्वारा मंडी अधिनियम के तहत जिलों में अधिकृत व्यापारियों की सूची जिला प्रशासन के साथ साझा किया गया है। एनआईसी द्वारा तैयार मोबाइल एप्प के माध्यम से गिरदावरी के खसरों का पुनः सत्यापन लगातार जारी है। मार्कफेड द्वारा राज्य स्तर पर एकीकृत कंट्रोल कमांड सेंटर स्थापित कर राईस मिल एवं उपार्जन केन्द्रों पर रियल टाइम निगरानी रखी जाएगी।

प्रदेश में मॉनिटरिंग करेगी अफसरों की टीम

अधिकारियों ने बताया कि राज्य स्तर पर अलग-अलग जिलों के लिए राज्य स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों की जांच टीम बनाई गई है, जो लगातार जिले में हो रही धान खरीदी की मानिटरिंग करेंगे। विभागीय मंत्री ने निर्देशित किया है कि राज्य स्तरीय दल आबंटित जिलों में खरीदी के दौरान कम से कम तीन बार भ्रमण करेंगे। प्राप्त शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्यवाही की जाएगी और की गई कार्यवाही के संबंध में अवगत भी कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय आज छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का करेंगे विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 14 नवम्बर को शाम 6.30 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मेफेयर लेक रिसार्ट में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का विमोचन करेंगे। उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरूण साव और श्री विजय शर्मा कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

गौरतलब है कि 28 अक्टूबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित केबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 मंजूर की गई थी। इसमें छत्तीसगढ़ सरकार ने भारत सरकार के विजन 2047 की परिकल्पना को साकार करने तथा राज्य के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से कई प्रावधान किए हैं। राज्य के प्रशिक्षित व्यक्तियों को औपचारिक रोजगार में परिवर्तित करने के लिए उद्योगों हेतु प्रति व्यक्ति 15 हजार रूपए की प्रशिक्षण वृत्ति प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक के लिए होगी। नई औद्योगिक नीति में निवेश प्रोत्साहन में ब्याज अनुदान, लागत पूंजी अनुदान, स्टाम्प शुल्क छूट, विद्युत शुल्क छूट. मूल्य संवर्धित कर प्रतिपूर्ति का प्रावधान है। नई नीति में मंडी शुल्क छूट, दिव्यांग (निःशक्त) रोजगार अनुदान, पर्यावरणीय प्रोजेक्ट अनुदान, परिवहन अनुदान, नेट राज्य वस्तु एवं सेवा कर की प्रतिपूर्ति के भी प्रावधान किये गये हैं।

इस नीति में राज्य के युवाओं के लिये रोजगार सृजन को लक्ष्य में रखकर एक हजार से अधिक स्थानीय रोजगार सृजन के आधार पर बी-स्पोक पैकेज विशिष्ट क्षेत्र के उद्योगों के लिये प्रावधानित है। राज्य के निवासियों विशेषकर अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला उद्यमियों, सेवानिवृत्त अग्निवीर सैनिक, भूतपूर्व सैनिकों, जिनमें पैरामिलिट्री भी शामिल है, को नई औद्योगिक नीति के तहत अधिक प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान है।

आदिवासी अस्मिता के नाम पर छिड़ा युद्ध

■ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पोस्ट पर सीएम साय के सलाहकार ने दिया जवाब

रायपुर। आदिवासी अस्मिता के नाम पर प्रदेश में सियासी युद्ध छिड़ गया है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सरकार पर हमले का जबाव मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा दे रहे हैं। इस युद्ध को करीब से देख रहे लोग इसके अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज याने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जशपुर से माटी के वीर नाम से पदयात्रा निकाल रहे हैं। इस कार्यक्रम को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से विज्ञापन पर कटाक्ष करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक्स पर किए अपने पोस्ट में लिखा है कि इस विज्ञापन के साथ भाजपा द्वारा छत्तीसगढ़ को दिल्ली के हाथों गिरवी रखने का आधिकारिक एलान हो चुका है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार के विज्ञापन में आदिवासी मुख्यमंत्री के नजर नहीं के साथ बिरसा मुंडा को जल, जंगल और जमीन के रखवाले बताते हुए हसदेव जंगल को उजाड़ने का आरोप लगाया है।

इस पोस्ट के जबाव मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने पूर्व मुख्यमंत्री के

साथ कांग्रेस पर आदिवासी सम्मान के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाने का आरोप लगाते हुए लिखा कि आदिवासी विरोधी अपराधों का अनंत सिलसिला है, जिसे गिनाते-गिनाते गिनती कम पड़ जाएगी। कांग्रेस पार्टी को प्रदेश में सरकार में दो बार रही, एक बार जिस आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाया वे नकली निकले, और दूसरी आदिवासी राष्ट्रपति के तौर पर पहले द्रोपदी मुर्मू की खिल्ली उड़ाना और दूसरी ओर हसदेव जंगल को कांग्रेस पार्टी के ही मंत्री ने नो गो एरिया से गो एरिया में तब्दील करने का आरोप लगाया।

पंकज झा ने अपने फेसबुर पर लंबा पोस्ट का अंत सकारात्मक विपक्ष की भूमिका अपनाने की सलाह देते हुए पार्टी के सक्षम नेताओं को आगे आने का अवसर प्रदान करने की बात कही है।

मंत्री श्यामबिहारी ने रायपुर दक्षिण में भाजपा की जीत का किया दावा

कहा- डबल इंजन की सरकार में हो रहा विकास, भाजपा के साथ है जनता

रायपुर। रायपुर दक्षिण उपचुनाव के लिए आज वोटिंग जारी है। मतदान के बीच भाजपा दक्षिण प्रभारी और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जीत का दावा किया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, भारी मतों से उपचुनाव जीत रहे हैं। जीत का रिकॉर्ड भी टूटेगा। शांतिपूर्ण ढंग से मतदान जारी है। मंत्री श्यामबिहारी ने मतदाताओं से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की है।

मंत्री श्यामबिहारी ने कहा, मतदाताओं के बीच जो रुझान है वो भाजपा के पक्ष में है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। विकास की गति भी डबल है। यही कारण है कि जनता भाजपा के साथ है।

कांग्रेस पर तंज कसते हुए मंत्री श्याम बिहारी जारी जायसवाल ने कहा, कांग्रेस को जनता जानती है इसलिए कांग्रेस के पक्ष में मतदान नहीं हो रहा है। असफल प्रयास कर रहे हैं और जनता सब समझती है। कांग्रेस के प्रत्याशी के नाम दक्षिण के जनता तक को पता नहीं है। जनता को लुभाने के लिए तमाम कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, खाने का डिब्बा बांटकर जनता को अपनी ओर नहीं खींच सकते। जब पता है कि सौ मीटर के दायरे में राजनीतिक गतिविधियां नहीं करनी है तो कांग्रेस कर रही है, अब समझ सकते हैं। जो मतदान प्रतिशत है वो भाजपा की ओर इशारा कर रही है। यह प्रचंड जीत का इशारा है। बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का फैसला सर आंखों पर है। पहले भी सरकार उनके फैसले का पालन करती रही है और अभी भी होगी। छत्तीसगढ़ में ऐसी कोई भी स्थिति नहीं है जो कोर्ट के फैसले का अवहेलना करें। जनजाति महोत्सव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है। इस पर पलटवार करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, हाथ के बारे में भूपेश बघेल क्या बताएंगे। उनका हाथ तो 5 साल तक दिल्ली में गिरवी था। पूरे 5 साल दिल्ली से ऑपरेट होते थे।

रायपुर की जनता सुनील सोनी के कार्यकाल को याद कर रही: मोतीलाल

रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। इसी कड़ी में भाजपा विधायक मोतीलाल साहू ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मोतीलाल साहू रायपुर ग्रामीण से विधायक है। मतदान के बाद मोतीलाल साहू ने भाजपा उम्मीदवार सुनील सोनी की जीत का दावा किया है। विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि इस बार भाजपा इस विधानसभा सीट से ऐतिहासिक मतों से जीत हासिल करेगी। सुनील सोनी के निष्क्रिय होने के कांग्रेस के आरोपों पर साहू ने कहा कि रायपुर नगर निगम व्हाइट हाउस सुनील सोनी के कार्यकाल की देन है। जब सुनील सोनी महापौर थे तो उस समय बिजली पानी सड़क संहिता सभी सुविधाये थी। लेकिन अब जब से कांग्रेस के महापौर एजाज ढेबर बने हैं तब से नगर निगम की हालत खराब है। विधायक ने कहा कि आज एक बार फिर रायपुर की जनता सुनील सोनी के कार्यकाल को याद कर रही है। यही कारण है कि विधानसभा उपचुनाव में सुनील सोनी को अच्छे मतों से जनता जिताएगी।

मतदान केंद्र में आपस में भिड़े भाजपा-कांग्रेस के कार्यकर्ता

छत्तीसगढ़ के रायपुर दक्षिण विधानसभा में उपचुनाव का मतदान जारी है। मतदान के दौरान दानी गर्ल्स स्कूल मतदान केंद्र में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। दोनों दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। पुलिसकर्मियों ने कार्यकर्ताओं को खदेड़कर मामला शांत कराया। मतदान केंद्र में झड़प के बाद भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिए गए हैं। बताया जा रहा कि भाजपा का गमछा पहनकर मतदान केंद्र के अंदर जाने और महापौर एजाज ढेबर के फूड पैकेट बांटने को लेकर भाजपा-कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में विवाद हो गया। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, दन्तेवाड़ा
(फोन / फैक्स नं. 07856-252362, ई मेल eedan-phe-cg@nic.in)

ऑनलाईन निविदा निरस्तीकरण सूचना

जी क्रमांक 242503228/1, 242503263

इस कार्यालय द्वारा नीचे दर्शित कॉलम अनुसार निम्नलिखित ऑनलाईन निविदा में निविदाकार द्वारा अपात्र होने के कारण निरस्त किया जाता हैं। विवरण निम्नानुसार है।

स. क्र.	निविदा सिस्टम क्रमांक
सिस्टम नं-	system No. 159891, 159908, 159909, 159928, 159939, 159942, 159946

जी क्रमांक 242503228/1, 242503263

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, दंतेवाड़ा

जी- 242503750/5

भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने किया मतदान, बताया वोट का महत्व

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर हो रहे उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व बताते हुए सभी मतदाताओं से मतधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया।

रायपुर दक्षिण में 40 साल में नहीं हुआ विकास : आकाश

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस उम्मीदवार आकाश शर्मा ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वह अपने पूरे परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे। इस दौरान आकाश शर्मा ने कहा कि यह चुनाव निष्क्रिय वर्सेस सक्रिय के बीच हो रहा है। रायपुर दक्षिण के बूथ क्रमांक 51 में वोट डालने के बाद आकाश शर्मा ने अपने परिवार के साथ वोट की स्याही लगी उंगली को दिखाकर फोटो भी खिंचाया। आकाश शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए सबसे पहले मतदाताओं से ज्यादा ज्यादा वोट डालने की अपील की। आकाश शर्मा ने कहा कि यह चुनाव देश का नहीं बल्कि रायपुर दक्षिण का है। आने वाले चार साल रायपुर दक्षिण के रोड, बिजली, पानी और आपके गली मोहल्ले की समस्याओं को दूर करने वाला चुनाव होगा। कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा कि जो सक्रिय है उसे चुनिए, जो आपकी आवाज पर प्रखर होकर बोल सके ऐसे नेता को चुनिए। भाजपा के आरोपों पर आकाश शर्मा ने कहा कि भाजपा के पास बताने को कुछ नहीं है इसलिए सिर्फ झूठी बातें करती है। यहां की जनता सब समझती है।

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़

ईमेल आईडी-E-mail ID-spotrainingdhscgx@gmail.com
दूरभाष.0771-2511305
क्र./प्रशि./14/01/24/25/839
नवा रायपुर, 13/4/2024

//सूचना//

जी.एन.एम. पाठ्यक्रम ऑनलाईन काउंसिलिंग प्रवेश वर्ष 2024-25 हेतु नवीन पंजीयन (Registration) के माध्यम से रिक्त सीटों के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश लेने के संबंध में

जनरल नर्सिंग मिडवायफरी (**GNM**) ऑनलाईन काउंसिलिंग वर्ष 2024-25 हेतु कार्यालयीन सूचना क्रमांक/813, 814-822 दिनांक 28.10.2024 के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं निजी जनरल नर्सिंग मिडवायफरी (**GNM**) प्रशिक्षण केन्द्रों में रिक्त सीटों के लिए नवीन पंजीयन (**Form Registration**) के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन कर प्रवेश लिया जाना है।

ऑनलाईन काउंसिलिंग के लिए विज्ञापन, प्रवेश नियम एवं अन्य जानकारी तथा ऑनलाईन फार्म पंजीयन (**Form Registration**) हेतु विभागीय वेब साईट www.cghealth.nic.in से किया जा सकता है।

भारतीय उपचर्या परिषद् नई दिल्ली का सूचना क्रमांक-14/2024 दिनांक 28.10.2024 के अनुसार जनरल नर्सिंग मिडवायफरी (**GNM**) की प्रवेश की तिथि में वृद्धि करते हुए 30 नवम्बर 2024 तक की गई है, जिसके परिपेक्ष्य में छत्तीसगढ़ नर्सिंग पाठ्यक्रम प्रवेश नियम 2019 की कॅडिका 9 के (चार) अनुसार सीटें रिक्त होने की दशा में नवीन पंजीयन के माध्यम से काउंसिलिंग प्रक्रिया कराई जानी है किन्तु इस चरण में आरक्षण नियमानुसार सभी सीटें परिवर्तित हो चुकी है, अर्थात सभी शेष सीटें अनारक्षित श्रेणी की ही, उपलब्ध होंगी।

जनरल नर्सिंग मिडवायफरी मिडवायफरी (GNM) काउंसिलिंग हेतु समय सारिणी निम्नानुसार है-

क्र.	विवरण	तिथि एवं समय
1	नवीन ऑनलाईन आवेदन / फार्म भरने की प्रारंभ तिथि (Online New Registration/Form Submission)	दिनांक 20.11.2024 प्रातः 11.00 बजे से
2	ऑनलाईन आवेदन / फार्म भरने की अंतिम तिथि (Last date of Online Form Submission)	दिनांक 22.11.2024 सायं 4.00 बजे तक
3	ऑनलाईन आवेदन फार्म के पेयमेन्ट की अंतिम तिथि तिथि (Last date of Online Payment)	दिनांक 23.11.2024 सायं 4.00 बजे तक
4	प्रवीण्य सूची का वेब साइट पर प्रकाशन (Publication of Merit List on website)	दिनांक 25.11.2024 से दिनांक 26.11.2024
5	स्क्रूटनी एवं फिट उम्मीदवारों की प्रवेश प्रक्रिया (Scrutiny and Admission process of scrutiny fit candidates)	दिनांक 27.11.2024 से दिनांक 30.11.2024 (कार्यालयीन अवधि में अथवा प्रशिक्षण केन्द्रों के समयानुसार)

संचालक
स्वास्थ्य
छत्तीसगढ़

जी- 242503758/6

योगी सपा प्रमुख के खिलाफ ऐसे बुन रहे हैं सियासी जाल

अजय कुमार

भारतीय जनता पार्टी के नेता और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजकल समाजवादी पार्टी को हिंदुत्व के नाम पर तो घेर ही रहे हैं इसके अलावा अखिलेश राज में फैली अराजकता, जंगलराज, उनके कार्यकाल में हुए दंगों की भी याद जनता को दिला रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि अखिलेश को चौतरफा घेरने की तैयारी चल रही है।हरियाणा वाला जादू यूपी में चल गया तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिये आगे की सियासी राह मुश्किल हो जायेगी। उप चुनाव में बीजेपी और योगी की यह रणनीति सफल रही तो इसका उप चुनाव में तो पार्टी को फायदा होगा ही 2027 में होने वाले यूपी विधान सभा चुनाव के लिये भी इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। दरअसल, योगी और अन्य बीजेपी के नेता उप चुनाव को 2027 के चुनाव का रिहर्सल मानकर चल रहे हैं, उप चुनाव के नतीजे बीजेपी के पक्ष में आते हैं तो लोकसभा चुनाव से उत्साहित अखिलेश बैकफुट पर आ सकते हैं। उधर, बीजेपी का लोकसभा चुनाव के नतीजों का गम भी काफी कम हो जायेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर योगी अपनी रैलियों में लगातार सपा सरकार के समय के गुंडाराज, समाजवादी पार्टी के नेतृत्व व नेताओं की आपराधिक की परतें उधेड़ रहे हैं। वह अंबेडकरनगर की कटेहरी, मीरजापुर की मझवां और प्रयागराज की फूलपुर या अन्य विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में समाजवादी पार्टी को जहां अपराधी, दुष्कर्मी, माफिया का प्रोडक्शन हाउस बता रहे हैं, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को इसका सीईओ और पार्टी महासचिव शिवपाल यादव को ट्रेनर करार दे रहे हैं। सपा के पीडीए के नारे की अपने हिसाब से व्याख्या करते हुए योगी पीडीए का अर्थ है 'प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी' बताते हैं। वह कहते हैं कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। इसी के साथ योगी बार-बार याद दिलाते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, इसलिए एकजुट रहिए।भाजपा प्रत्याशी धर्मराज निषाद के समर्थन में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री ने यहां तक कहा कि कांग्रेस-सपा वाले महापुरुषों का सम्मान नहीं करते हैं। एक साल पहले भाजपा 31 अक्टूबर को जब राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा और उसके मुखिया भारत विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की जयंती मना रहे थे। इन्हें जिन्ना प्यारा है, क्योंकि उसने भारत का विभाजन कराया था। योगी बताते हैं कि एससी-एसटी पर सर्वाधिक अत्याचार सपा शासन के दौरान हुए। 2015-16 में इन लोगों ने एससी-एसटी के बच्चों की छात्रवृत्ति रोक दी थी, उसे भी हमने शुरू कराया। कांग्रेस व सपा का इंडी गठबंधन देश व समाज के लिए खतरनाक है, इसलिए हरियाणा में जनता ने उन्हें नहीं आने दिया और भाजपा की हैट्रिक लगाई। प्रयागराज के फूलपुर में भाजपा प्रत्याशी दीपक व मिर्जापुर के मझवां में शुचिस्मिता के समर्थन में आयोजित सभा में सपा को सीधे निशाने पर लिया। योगी की इसी मुखरता के कारण चुनाव प्रचार में भाजपा के स्टार प्रचारक व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मांग लगातार बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में लगातार तीन दिनों तक नौ रैलियां करने के बाद योगी झारखंड के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। योगी झारखंड में चार रैलियां कर भाजपा के चुनाव प्रचार को धार देंगे। इससे पहले पांच नवंबर को भी उन्होंने झारखंड में कई रैलियां कर भाजपा के उम्मीदवारों का प्रचार किया था। मुख्यमंत्री की पहली जनसभा भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में होगी। भारतीय जनता पार्टी ने यहां से मनु प्रताप शाही को उम्मीदवार बनाया है। योगी इसके बाद पलामू जिले की हुसैनाबाद सीट से उम्मीदवार कमलेश कुमार सिंह के लिए वोट मांगेंगे। उनकी तीसरी व चौथी रैली भी पलामू में ही होगी। तीसरी रैली पांकी से शशिभूषण मेहता के लिए करेंगे। वहीं चौथी व आखिरी रैली डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा ने आलोक कुमार चौरसिया को उम्मीदवार बनाया है।

महाराष्ट्र में दो चाणक्यों के बीच असल मुकाबला

अजय बोकिल

महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति और कांग्रेसनीत महाविकास आघाडी के लिए इस बार का विधानसभा चुनाव जीतना राजनीतिक जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है। भाजपा ने शुरू में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महाराष्ट्र लाकर 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे का असर टेस्ट किया। लेकिन लगता है जल्द ही पार्टी को समझ आ गया कि इसका असर नकारात्मक भी हो सकता है।

यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी जगह 'एक हैं तो सेफ हैं' को ज्यादा तवज्जो देना शुरू कर दिया है। हालांकि कुछ लोग मोदी द्वारा इस नारे में संशोधन को योगी की बढ़ती लोकप्रियता पर लगाम लगाने की कोशिश के रूप में भी देख रहे हैं। लिहाजा सोमवार को महाराष्ट्र के मीडिया में दिए गए भाजपा के विज्ञापनों में भी 'बंटेंगे तो कटेंगे' की जगह यही नारा दिखाई पड़ा।

दरअसल, इसका अर्थ यही है कि 'कटेंगे' के सकारात्मक राजनीतिक असर को लेकर भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वैसे भी महाराष्ट्र का चुनाव हकीकत में दो सियासी चाणक्यों शरद पवार और अमित शाह के बीच परोक्ष मुकाबला है। जो भी जीतेगा, वह देश की भावी राजनीति की दिशा तय करेगा। हालांकि भाजपा का एक तबका मान कर चल रहा है कि 'बंटेंगे तो कटेंगे' का हिंदुओं पर धीरे-धीरे असर हो रहा है और गहरे मानस मंथन के साथ वो भाजपा के पक्ष गोलबंद हो रहे हैं। लेकिन किस हद तक, इस सवाल का जवाब मिलना बाकी है।

हरियाणा विस चुनाव में यह नारा कुछ हद तक चला। लेकिन महाराष्ट्र की राजनीतिक तासीर अलग है। यहां तीन दशकों से कोई भी सियासी पार्टी अपने दम पर बहुमत नहीं पा सकी है। ऐसे में कोई भी दांव कब निशाने पर जा लगे या फिर उलटा पड़ जाए, कहना मुश्किल है।

उधर राज्य में कांग्रेस और महाविकास आघाडी लगातार 'संविधान बचाने', जातिगत जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा करने के साथ साथ स्थानीय मुद्दे जैसे सोयाबीन उत्पादक किसान को हुए नुकसान भी उठा रही है। मआवि का मानना है कि महायुति सरकार के खिलाफ आम जनता में नाराजी है और वो सत्ता परिवर्तन के पक्ष में वोट करेगी।

उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी तो प्रतिशोध की भावना से चुनाव लड़ रही है। उनकी और अजित पवार की पार्टी के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व का सवाल भी है। ऐसे में भाजपा को डर है कि हिंदू एकता के नारे पर कहीं लोकसभा की तरह 'दलित मुस्लिम' एकता भारी न पड़ जाए। इसके अलावा मराठा आरक्षण के लिए कई सालों से आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे का फैक्टर भी अहम है। जरांगे ने ऐन वक्त पर विस चुनाव न लड़ने का फैसला कर के महायुति को तगड़ा झटका दिया है। इसके पीछे सलाह किसकी होगी, यह समझा जा सकता है।

इधर, भाजपा जरांगे के प्रभाव क्षेत्र मराठवाडा में मराठो के खिलाफ ओबीसी को लामबंद करने की कोशिश कर रही है। इसमें कितनी सफलता मिलती है, यह देखने की बात है। ऐसे में महिलाओं को सीधे आर्थिक लाभ पहुंचाने वाली 'लाडकी बहिण योजना और बूथ मैनेजमेंट पर ही भाजपा की जीत का काफी दारोमदार है।

दूसरे, राहुल गांधी के संविधान बचाओ अभियान पर पलटवार करते हुए केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने राहुल के हाथों में लाल किताब को 'कोरी किताब' कहा था। इसका दलितों में कैसा संदेश गया है, कहना मुश्किल है। हालांकि भाजपा और संघ के कुछ नेताओं का मानना है कि 'कटेंगे तो... और लाडकी बहिण' योजना का धमाका नतीजों में दिखेगा। लोगों को इसका अंदाज नहीं है।

वैसे इस चुनाव में मतदाताओं का एक तबका ऐसा भी है, जो सभी पार्टियों के रवैए से निराश है। ऐसे में वोटिंग प्रतिशत अगर घटा तो नुकसान सबसे ज्यादा महायुति को होगा। हालांकि भाजपा इस खतरे को लोकसभा चुनाव के बाद से समझ चुकी है। उसके वोट गिरें, इसकी पुरजोर कोशिश होगी।

इस बीच राजनीतिक प्रेक्षक इस बात का गहराई से अध्ययन कर रहे हैं कि योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे का महाराष्ट्र में बहुसंख्यक हिंदू समुदाय के मानस पर कितना असर हो रहा है और इसकी राजनीतिक परिणति क्या होगी? क्या योगी का यह नारा राज्य में फिर से हिंदू समाज को महायुति के पक्ष में एकजुट कर पाएगा, खासकर वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के विरोध में मुस्लिम समाज में हो रही आक्रामकता एकता के संदर्भ में।

वैसे योगी के जिस 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे को हिंदू एकजुटता के परिप्रेक्ष्य में रामबाण उपाय के रूप में देखा जा रहा था, वह महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव प्रचार के शबाब पर आते आते शंका के घेरे में जरूर आ गया है। जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस नारे का खुलकर समर्थन किया था। लेकिन महाराष्ट्र में इस मुद्दे पर खुद महायुति और राष्ट्रीय स्तर एनडीए भी बंटता नजर आ रहा है।

कांग्रेस तो पहले ही इसे नकारात्मक और साम्प्रदायिक सोच का नतीजा बता रही है, जबकि योगी और भाजपा इसे बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की मिसाल देकर सही ठहरा रहे हैं। इसमें यह चेतावनी भी छिपी है कि अगर जनसांख्यिकीय बदलाव यूं ही होते रहे तो भारत में भी बहुसंख्यक हिंदुओं की वैसी ही हालत होने में देर नहीं लगेगी। इसीलिए झारखंड और अब मुंबई में भी मुसलमानों की बढ़ती आबादी, उसकी वजह से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव तथा उसकी राजनीतिक परिणति को लेकर भी भाजपा नेता लगातार आगाह कर रहे हैं।

इसमें शक नहीं कि योगी के 'कटेंगे तो बंटेगे' नारे ने विपक्षी खेमे में खलबली मचा दी है। इस नारे की गूंज कनाडा के ब्रैम्पटन में भी सुनाई दी, जहां खालिस्तानी सिखों ने हिंदू मंदिर पर हमला किया था। 'कटेंगे तो' नारे को खारिज करने के लिए अलग अलग प्रति नारे गढ़े जा रहे हैं।

यूपी में नौ सीटों पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने इन नारे में निहित खतरे को भांपा और इसके जवाबी नारे गढ़ने की कोशिश की। शुरू में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इस नारे को ध्यान में रखकर पीडीए समीकरण को एकजुट रहना चाहिए और उपचुनाव में भाजपा को सबक सिखाना चाहिए। लेकिन लगता है कि उससे बात नहीं और योगी के नारे के जवाब में ' जीतेंगे तो जुड़ेंगे' और जैसे नारे गढ़े गए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर जवाबी हमला करते हुए कहा कि 'तुम ही कटोगे और तुम ही बंटोगे।' महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास आघाडी के घटक शिवसेना (उद्धव) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनौती के स्वर में कहा कि हम महाराष्ट्र में किसी को न तो लूटने देंगे और न ही लुटने देंगे। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर सत्तासीन महायुति के घटक राकांपा नेता अजित पवार ने भाजपा से अलग लाइन लेते हुए इस नारे को यह कहकर खारिज किया कि महाराष्ट्र का स्वभाव इस तरह बांटने का नहीं है। इसी झारखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नया नारा दिया 'डरोगे तो मरोगे' तो भीम आर्मी पार्टी के चंद्रशेखर रावण ने कहा कि 'पढ़ेंगे तो बढ़ेंगे।

अगर योगी के नारे का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया जाए तो इसकी पहली पंक्ति 'बंटेंगे तो कटेंगे भले ही नकारात्मक लगे, लेकिन दूसरी पंक्ति 'एक रहेंगे तो नेक रहेंगे' पूरी तरह सकारात्मक है। योगी ने यह नारा किस सोच और गणित के साथ दिया या फिर यह उनके मुंह से निकली परिस्थितिजन्य सहज अभिव्यक्ति थी, कहना मुश्किल है। लेकिन अगर वो चाहते तो दूसरी पंक्ति को पहले स्थान पर और पहली पंक्ति को दूसरे स्थान पर रख सकते थे। इससे वो राजनीतिक खलबली नहीं मचती, जो उनके इस नारे से हुई है।

वैसे भी आंदोलनों और संघर्षों का इतिहास देखें तो नकारात्मक कहलाने वाले नारे ही लोगों को संगठित करने में ज्यादा असरकारी साबित होते हैं। इसका कारण इसमें जनमानस में छिपे भय और आक्रोश का राजनीतिक सामाजिक दोहन होता है। भले ही उसका अंतिम परिणाम कुछ भी हो।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

गरुड़पुराण- अधिकृत्याब्रवोद् विष्णुः। (मत्स्य 53। 52) अर्थात्- गरुड़पुराण विष्णु ने गरुड़ के प्रति कथन किया है।

नारदपुराण- नारदपुराण की सूची के अनुसार इसका पूर्व-भाग सनक, सनन्दन, सनातन आदि ब्रह्मपुत्रों ने नारद के प्रति कहा है, और उत्तर-भाग वशिष्ठ ने मान्धाता के प्रति कहा है।

भागवतपुराण- (क) ब्रह्मणे भगवत्प्रोक्तम् । (श्रीमद्भागवत 2। 6। 28) (ख) ब्रह्मणा संगृहीतं च। (देवीभागवत 2। 12 ।30)

अर्थात्- श्रीमद्भागवत विष्णु ने ब्रह्मा के प्रति कहा है और देवी- भागवत ब्रह्मा द्वारा संगृहीत हुआ है।

अग्नि-पुराण- वंशिष्ठायाग्निना प्रोक्तम्। (मत्स्य 53। 30) अर्थाद -अग्निपुराण अग्निदेव ने वशिष्ठ के प्रति कहा है।

स्कन्दपुराण- यत्र माहेश्वरा धर्माः षण्मुखेन प्रकाशिताः। (नारदोक्त सूची)

अर्थात् - स्कन्दपुराण षण्मुख कुमार ने कहा है (यही कुमार ऋग्वेद के 5। 2। 1 तथा 7। 101-102 आदि सूक्तों काद्रष्टा हैं।

भविष्यपुराण- यत्राधिकृत्य माहात्म्यमादित्यस्य चतुर्मुखः। मनवे कथयामास। (मत्स्य 53 । 31)

अर्थात- भविष्यपुराण ब्रह्मा ने मनु के प्रति कथन किया। ब्रह्मवैवर्त- सार्वाणना नारदाय कृष्ण माहात्म्यमुत्तमम्। (भत्स्य 53। 33)

अर्थात् ब्रह्मववर्त सावणि ने नारद के प्रति कथन किथा। (सह्यापुत्र नारद का समकालीन यह सावणि अत्यन्त प्राचीन ऋषि हो चुका है।)

मार्कण्डेय-पुराण- मार्कण्डेयेन मुनिना जैमिने प्राक् समीरितम्। (नारदोक्त सूची)

अर्थात्- मार्कण्डेयपुराण मार्कण्डेय ने जैमिनि के प्रति कहा है।

क्रमशः ...

बाल दिवस

डॉ. रमेश ठाकुर

नौनिहालों के प्रति चाचा नेहरू का प्रेम जगजाहिर रहा। इसी नाते उनके जन्मदिन 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप मनाया जाना आरंभ हुआ। अब ये सामान्य दिवस नहीं, बल्कि राष्ट्रीय त्यौहार के तौर पर हम मनाते हैं। इस जश्न के साथ ही बाल अधिकारों की बदनुमा तस्वीरें भी सामने आती हैं जो साल दर साल विकराल रूप ले रही है। सामान्य अपराधों के मुकाबले, बाल अपराध कई गुणा बढ़े हैं। एनसीआरबी की सालाना रिपोर्ट में बीते कुछ सालों से बच्चों से असंख्य अपराध चिंतित करते हैं। इसमें सरकारों को दोष दें, या खुद की लापरवाही? कोई तय नहीं कर पा रहा। आज बेशक बाल दिवस है, घरों से बाहर निकलें तो आपको आज भी हजारों-लाखों की संख्या में नौनिहाल ढाबों-दुकानों व कारखानों में बर्तन मांजते दिखेंगे, चौराहे पर गुब्बारे आदि बेचते मिलेंगे और रेड लाइट पर भीख मांगते भी आपको दिखाई देंगे। इन बच्चों को ये भी नहीं पता कि आज बाल दिवस है और उसके मायने क्या हैं। दरअसल, ये तस्वीरे बताती हैं कि बाल अधिकारों की किस कदर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

आर्टिकल 21 में बच्चों के अधिकारों का संपूर्ण जिक्र है। जागरूकता की कमी कह लो, या फिर कुछ और लोग ध्यान नहीं देते। अगर हम बच्चों के अधिकारों का इस्तेमाल करें, तो किसी की कोई मजाल नहीं कि उनके बचपन को रौंद पाए, सुध ही लेने वाला कोई नहीं है। जुबानी और कागजी कार्रवाई की कमी नहीं है। आजादी से लेकर आज तक सर्व शिक्षा अभियान जैसे जरूरी अधिकारों का इनके साथ घोर मजाक होता आया है। करोड़ों बच्चे आज भी निरक्षर हैं, शिक्षा से दूर हैं। सर्व समानता शिक्षा से ही बाल दिवस के मायने समझे जाएंगे। समाज के उच्च वर्ग ने गरीब बच्चों को शिक्षा से एक तौर पर बहिष्कृत ही कर दिया है। ऐसे में शोषित बच्चों के लिए बाल दिवस महज मजाक माना जाए। बच्चों की खैरियत हुकूमतों से ज्यादा सामाजिक स्तर पर की जा सकती है। लेकिन भागदौड़ भरी जिंदगी में कोई ध्यान नहीं दे पाता। जबकि, ध्यान देने की अति आवश्यकता है। हम अपने प्रयासों से अगर एकाध बच्चों का जीवन भी सुधार पाएं, तो हमारे जीवन के मायने पूरे होंगे। इसकी शुरुआत अपने आसपास से कर सकते हैं। गरीब बच्चों को पड़ोस की आंगनबाड़ी तक तो पहुंचा ही सकते हैं। जहां, फ्री शिक्षा और खाना मुहैया होता है। गौरतलब है कि हमारी तरक्की बच्चों के सुनहरे भविष्य पर ही टिकी होती हैं। हिंदुस्तान के शहरी, ग्रामीण और अमीर-गरीब की विभाजक रेखा ने बच्चों को दो हिस्सों में बांट दिया है। पहली श्रेणी वह है जो सुबह तैयार होकर, टिफिन लेकर स्कूल के लिए रवाना होती है, तो दूसरी कतार में वह बच्चे हैं, जिनको सुबह से ही दोपहर की एक अदद रोटी की तलाश में घरों से बाहर निकलना पड़ता है। दोनों वर्गों के बच्चे सुबह घरों से बाहर जरूर निकलते हैं पर राहें दोनों की जुदा होती हैं। तो जाहिर-सी बात है कि दूसरी राह में जाने वाले बच्चों के लिए बाल दिवस के लिए कोई महत्व नहीं है।

बाकू सम्मेलन अमीर देशों की उदासीनता दूर कर पायेगा

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह का जलवायु सम्मेलन कॉप-29 11 अक्टूबर सोमवार से अजरबैजान की राजधानी बाकू में शुरू हो गया है। पर्यावरण से जुड़े इस महाकुंभ में भारत समेत लगभग 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए जलवायु वित्त का नया लक्ष्य तय करने, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान की वृद्धि को सीमित करने और विकासशील देशों के लिए समर्थन जुटाने पर सार्थक एवं परिणामकारी भी चर्चाएं होने की संभावनाएं हैं। साथ ही इसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर समूची दुनिया के देश चर्चा करेंगे। सम्मेलन में भारत की प्रमुख प्राथमिकताएं जलवायु वित्त पर विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और ऊर्जा स्त्रोतों के समतापूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त करना होंगी।

वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) के विशेषज्ञ इस वर्ष के शिखर सम्मेलन से चार प्रमुख परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं- नया जलवायु वित्त लक्ष्य, मजबूत राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति तेजी, पिछले वादों पर ठोस प्रगति और नुकसान व क्षति के लिए अधिक धनराशि। विश्व में तापमान बढ़ोत्तरी, 'अल नीनो' व 'ला नीना' के प्रभावों के चलते मौसम की घटनाओं से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। इस बीच एक नए अध्ययन में पूर्वी यूरोप के 10 ऐसे देशों की पहचान की गई है, जो भविष्य में तापमान वृद्धि से सबसे अधिक आर्थिक नुकसान का सामना करेंगे। ऐसे में पूरी दुनिया की निगाहें जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में होने वाली चर्चाओं, फैसलों और नतीजों पर टिकी हैं।

कॉप-29 सम्मेलन को पर्यावरण समस्याओं, चुनौतियों एवं बदलते मौसम के मिजाज को संतुलित करने के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन से दुनिया ने उम्मीदें लगा रखी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की राह में विकासशील देशों के सामने सबसे प्रमुख अवरोध

वित्तीय संसाधनों का अभाव है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद विकसित देशों का योगदान आवश्यक स्तर से कम है। वर्ष 2022 में विकसित देशों ने 115.9 अरब डालर उपलब्ध कराए और पहली बार 100 अरब डालर के वार्षिक लक्ष्य का आंकड़ा पार हुआ। हालांकि यह अभी भी कम है, क्योंकि अगर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2030 तक हर साल दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राशि की आवश्यकता होगी। कर्ज का अंबार विकासशील देशों की राह में एक और बाधा बना हुआ है। तमाम विकासशील देश कर्ज के बोझ से ऐसे कराह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उनके पास संसाधन बहुत सीमित हो जाते हैं। इसीलिये जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया एक बार फिर बाकू सम्मेलन कॉप-29 में चर्चा का विषय बन रहा है।

दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है। ऐसे में यह उचित ही होगा कि विकासशील देश उस नुकसान एवं क्षतिपूर्ति मुआवजे पर भी जोर दें, जिसकी चर्चा तो बहुत हुई थी, लेकिन उस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। विकसित देशों की जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं पर उदासीनता इसलिये भी सामने आ रही है कि विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में अपने पुराने और भारी योगदान को अनदेखा करते हुए विकासशील देशों पर जल्द से जल्द उत्सर्जन कम करने के लिए ऐसा दबाव डालते हैं कि वे उनकी गति से ताल मिलाएं। इस प्रकार विकासशील देशों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं का संज्ञान लिए बिना ही अमीर देशों द्वारा लक्ष्य तय किया जाना भी असंतोष का एक कारण बन रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन से उपजी प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं ने उन देशों एवं समुदायों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए अपेक्षाकृत कम जिम्मेदार हैं।

देखा जाए तो आज जीवन के हर पहलू पर जलवायु में आते बदलावों का असर साफ तौर पर नजर आने लगा है। लोगों का स्वास्थ्य भी इससे सुरक्षित नहीं है। बात चाहे आपदाओं के कारण जा रही जानों की हो या इसकी वजह से तेजी से पनपती बीमारियों की, जलवायु परिवर्तन रूप बदल-बदल कर लोगों के स्वास्थ्य पर आघात कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य पर मंडराते इस खतरे को कहीं ज्यादा संजीदगी से लेने की जरूरत है। बढ़ती गर्मी के प्रति चेतावनी, जीवाश्म ईंधन की सही कीमत का निर्धारण और घरों में ऊर्जा के साफ सुथरे साधनों का उपयोग सालाना 20 लाख लोगों की जान बचा सकता है। ऐसे में इस शिखर सम्मेलन से ठीक पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी देशों से जीवाश्म ईंधन से अपना नाता तोड़ने का आग्रह किया है। साथ ही सरकारों से आम लोगों को जलवायु में आते बदलावों का सामना करने के काबिल बनाने में मदद करने की वकालत की है।

कॉप-29 से ठीक पहले जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर जारी अपनी विशेष रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक नेताओं से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य को अलग-अलग मुद्दों के रूप में देखना बंद करने का आग्रह किया है। ताकि न केवल लोगों के जीवन को बचाया जा सके, साथ ही मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 से भी ज्यादा संगठनों और 300 विशेषज्ञों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संबोधित करते हुए कॉप-29 पर यह विशेष रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में तीन प्रमुख क्षेत्रों लोग, क्षेत्र और ग्रह से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 360 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जो जलवायु में आते बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। यह वो क्षेत्र हैं जहां खतरा बहुत ज्यादा है। लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए ऐसी स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करना जरूरी है जो जलवायु में आते बदलावों का सामना कर सकें और मुश्किल समय में भी लोगों के प्राणों की रक्षा कर सकें। स्वास्थ्य और जलवायु नीतियों का मेल मानव प्रगति एवं आदर्श विश्व संरचना के लिए बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। भारत के साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित 11 ऐसे देश हैं जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में हैं। ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है।

आज का इतिहास

1955 कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) का उद्घाटन किया गया।
1960 चेक गणराज्य में दो रेलों की टक्कर में 110 लोग मारे गए।
1968 येल विश्वविद्यालय ने महिलाओं को विद्यालय में प्रवेश का देने का निर्णय किया।
1970 दक्षिणी एयरवेज़ फ़्लाइट 932, मार्शलऑनवर्सिटी फ़ुटबॉल टीम द्वारा चार्टर्ड, यूएस के वेस्टविरगिनिया के केरेडो के पास एक पहाड़ी में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे सभी 75 लोग मारे गए।
1972 डो जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज पहली बार 1000 (1,003.16) से ऊपर पर बंद हुआ।
1973 लंदन के बाजार पर सोने के मूल्य में भारी कमी आई जिसके कारण निवेशकों को लाखों डॉलर का नुकसान हुआ। यह संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप द्वारा सोने के द्वि-स्तरीय मानक को समाप्त करने के निर्णय के जवाब में हुआ।
1975 मैड्रिड समझौते पर हस्ताक्षर करने के साथ, स्पेन ने स्पेनिश सहारा के क्षेत्र से अपनी उपस्थिति को स्वीकार कर लिया।
1979 संयुक्त राज्य अमेरिका में ईरान से तेल के आयात को समाप्त करने के बाद, राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने कार्यकारी आदेश 12170 जारी किया जो संयुक्त राज्य में सभी ईरानी संपत्तियों को बंधक संकट के प्रतिशोध में रोकता है।
1984 नासा ने नाटो 3डी उपग्रह का प्रक्षेपण किया।
1984 ज़ाम्बोआंगा शहर, फिलीपींस के मेयर, सीज़र क्लाइमाको को एक अज्ञात बंदूकधारी ने हत्या कर दी थी।
1985 कोलंबिया में एक ज्वालामुखी विस्फोट ने तीन गांवों के साथ-साथ पूरे शहर को दफन कर दिया। यह बताया गया था कि लगभग 20,000 लोगों की जान चली गई थी।
1991 अमेरिका की मांग है कि लीबिया के नेता कर्नल गद्दाफी को दिसंबर 1988 में पैन एम की उड़ान 103 लॉकरबी पर बमबारी के आरोप में 193 आरोपों में अमेरिका के लीबिया के खुफिया अधिकारियों को सौंप दिया जाए।
2003 खगोलविद माइकल ई। ब्राउन, चाड ट्रूजिलो और डेविड एल.रिनबोविट्ज ने ट्रांस-नेप्टुनियन ऑब्जेक्ट 90377 सेडना की खोज की।
2005 उजबेकिस्तान के लिए राजनयिक प्रतिबंधों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा नवीनीकृत किया गया है, जो ब्रिटेन और जर्मनी की सरकारों द्वारा लगातार भंग किए गए थे।
2007 डेनमार्क के प्रधानमंत्री आंद्रे फाग रासमुस्सेन ने लगातार तीसरी बार देश का कार्यभार सम्भाला।
2008 मूल इम्पैक्ट प्रोब चाँद की सतह पर उतरा।

अमेरिका को 'ग्रेट' बनाने निकले डोनाल्ड ट्रंप 2.0 में कौन-कौन?

अभिनय आकाश

सदी का सबसे बड़ा कमबैक, जिसकी कल्पना के रास्ते चार साल पहले बंद हो गए थे। जब दुनिया ने ये मान लिया था कि वो इतना दागदार हो गया है कि दोबारा उस पर दांव भी नहीं लगाया जाएगा। जब राजनीतिक के जानकार और कलमकार इस बात पर मुहर लगा चुके थे कि वो चूक चुका है। कुछ वक्त पहले तक लग रहा था कि वो जेल जाएगा। तब वक्त के थपेड़ों को झेलते हुए सियासी बाधाओं को पार करते हुए उसने दुनिया की सबसे ताकतवर इमारत व्हाइट हाउस का दरवाजा अपने लिए फिर से खोल लिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने मंत्रियों का चुनाव भी अभी से करना शुरू कर दिया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आगामी प्रशासन के लिए अहम नियुक्ति की है, जिसमें से कई नाम उनकी नई विदेश और कूटनीति को साफ बता रहे है।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो को विदेश मंत्री नियुक्त किया है। रुबियो को भारत का दोस्त माना जाता है। वह भारत-अमेरिका संबंधों के समर्थक रहे हैं। ट्रंप ने रुबियो को विदेश मंत्री चुन कर अपने दूसरे प्रशासन के तहत भारत और अमेरिका के संबंधों को और मजबूत करने की गारंटी दी है। रुबियो को ऐसे समय पर चुना गया है जब रिपब्लिकन पार्टी ने अमेरिकी संसद में बहुमत हासिल कर लिया है जिससे ट्रंप इसके दोनों सदनों पर नियंत्रण रख सकेंगे। पिछले वर्षों में अमेरिका के भू-राजनीतिक दुश्मनों (चीन, ईरान और क्यूबा) के संबंध में एक मजबूत विदेश नीति की वकालत की है। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट ने कहा कि मैं अपने दोस्त और हमारे अगले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के लिए बहुत खुश हूं। वह दुनिया भर में अमेरिकियों का नेतृत्व करेंगे, खासतौर पर लैटिन अमेरिका का क्योंकि वह अमेरिका का सम्मान और साहस के साथ प्रतिनिधित्व करते हैं।

सांसद माइक वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का जिम्मा संभालने के लिए कहा है। वाल्ट्ज भारत के पुराने समर्थक रहे हैं और वर्षों से भारत एवं भारतीय अमेरिकियों के लिए कांग्रेसनल कॉकस के सह-अध्यक्ष भी रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका के लिए सीनेट की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। ट्रंप की टीम की ओर से इन नामों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वाल्ट्ज 'आर्मी नेशनल गार्ड' के सेवानिवृत्त अधिकारी और पूर्व सैनिक रह चुके हैं। वह ट्रंप के कट्टर समर्थक रहे हैं। उन्हें चीन के प्रति कठोर रुख रखने वाला माना जाता है और उन्होंने ही कोविड-19 की उत्पत्ति तथा चीन में मुस्लिम उइगर आबादी के उत्पीड़न के कारण बीजिंग में 2022 में हुए शीतकालीन ओलंपिक का अमेरिका द्वारा बहिष्कार करने का आह्वान किया था। अमेरिका की समाचार वेबसाइट 'द हिल' में जारी खबर के मुताबिक, वाल्ट्ज 2019 से सांसद हैं। उन्होंने यूरोप से यूक्रेन को और अधिक समर्थन देने तथा अमेरिका से उसके समर्थन में और अधिक सख्ती बरतने का आह्वान किया है।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके पूर्व कार्यकारी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन निदेशक टॉम होमैन उनके आगामी प्रशासन में बॉर्डर जार (सीमा अधिकारी) के रूप में काम करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया साइट 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व आईसीई निदेशक और सीमा नियंत्रण के दिग्गज टॉम होमैन ट्रंप प्रशासन में शामिल होंगे और हमारे देश की सीमाओं की निगरानी करेंगे। इस बात की प्रबल उम्मीद थी कि होमैन ट्रंप के दूसरे प्रशासन में सीमा-संबंधी भूमिका में पुन: शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा कि दक्षिणी और उत्तरी सीमाओं और समुद्री तथा विमानन सुरक्षा की निगरानी के अलावा होमैन ''अवैध विदेशियों को उनके मूल देश वापस भेजने के प्रभारी होंगे। जो उनके एजेंडे का एक मुख्य हिस्सा है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं है कि होमैन एक शानदार और बहुप्रतीक्षित काम करेंगे।

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने अभियान प्रबंधक, सूसी विल्स को अगले वर्ष राष्ट्रपति पद संभालने पर अपने व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में नामित किया। ट्रंप ने कहा कि विल्स ने मुझे अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक जीत में से एक हासिल करने में मदद की और कठिन, स्मार्ट, अभिनव है, और सार्वभौमिक रूप से प्रशंसा और सम्मान करती है... मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हमारे देश को गौरवान्वित करेगी। 67 वर्षीय सूसी विल्सने इससे पहले राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन जूनियर के प्रचार में काम किया था। वह धीरे-धीरे सियासत की सीढ़ियां चढ़ती गई और कई नेताओ और गवर्नरो की कैपेन मे अहम भूमिका निभाई। वह 2016 और 2020 मे भी ट्रंप की प्रचार टीम का हिस्सा थी। ट्रंप के साथ काम करना आसान नही है। पिछले टर्म मे ट्रंप 4 चीफ ऑफ स्टाफ बदल चुके है, जिनमे जॉन केली भी थे, जिन्होने बाद मे ट्रंप के खिलाफ बयान दिए थे।

ट्रंप ने इजरायल की कट्टर सहयोगी और विदेश नीति की पक्षधर रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य एलिस स्टेफनिक को संयुक्त राष्ट्र में अगले राजदूत के रूप में नामित किया है। संयुक्त राष्ट्र के राजदूत के रूप में नियुक्त एलिस स्टेफनिक ने पहले महाभियोग के बाद से लगातार ट्रम्प का समर्थन किया है। यूएन में स्टेफनिक की नियुक्ति ईरान के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। वो इजरायल की कट्टर समर्थक हैं और गाजा में जारी इजरायल की कार्रवाई का समर्थन कर चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका कॉलेज परिसरों में हुए फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन के दौरान यहूदी विरोधी घटनाओं के बारे में बार बार ध्यान आकर्षित किया और यहूदियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया।

नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने नए प्रशासन में इमिग्रेशन नीति के डिप्टी चीफ के रूप में अपने लंबे समय के सलाहकार स्टीफन मिलर को नामित किया है। मिलर ट्रम्प के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सहयोगियों में से एक हैं, जो व्हाइट हाउस के लिए उनके पहले अभियान से ही उनके साथ हैं। वह ट्रम्प के पहले कार्यकाल में एक वरिष्ठ सलाहकार थे और उनके कई नीतिगत निर्णयों में एक केंद्रीय व्यक्ति रहे हैं, विशेष रूप से इमिग्रेशन पर, जिसमें 2018 में एक निवारक कार्यक्रम के रूप में हजारों आप्रवासी परिवारों को अलग करने का ट्रम्प का कदम भी शामिल है। मिलर ने ट्रम्प के कई भाषणों को तैयार करने में भी मदद की है।

क्यों सताता है उन्हें अर्बन नक्सल का भूत?

योगेन्द्र यादव

सवाल था : ''यह अर्बन नक्सल होता क्या है?'' मेरा जवाब था : ''यह एक भूत है, यानी कुछ भी नहीं है, और बहुत कुछ है। आंखें खोलकर देखेंगे तो कुछ नहीं पाएंगे, लेकिन अगर मन में भय हो और आंखें बंद हों तो यह परछाईं की तरह चारों तरफ मंडराएगा।'' ''आप पहेली मत बुझाइए, ठीक-ठीक बताइए, यह नक्सलवाद क्या है? और अर्बन नक्सल क्या है?'' सवाल भारत जोड़ो अभियान के एक युवा साथी का था। पिछले हफ्ते महाराष्ट्र के भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडऩवीस ने चुनाव के दौरान कहा था कि भारत जोड़ो अभियान में शामिल लोगों की विचारधारा और काम की शैली अर्बन नक्सलवाद की है। उन्होंने कहा, ''अर्बन नक्सलवाद का अर्थ है लोगों के मन प्रदूषित कर, लोगों के मनों में शक पैदा करना, जिससे देश की जो संस्थाएं हैं, जो सिस्टम हैं, उनके प्रति शक पैदा करना और देश की अखंडता को धोखा निर्माण करना।'' पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर अर्बन नक्सलियों द्वारा संचालित होने का आरोप लगाया था। इसलिए युवा साथी को जवाब देना जरूरी था : ''नक्सल और नक्सलवाद क्या था, यह तो मैं समझता हूं, अर्बन नक्सल को समझना थोड़ा मुश्किल मामला है। लेकिन मैं कोशिश करता हूं।'' नक्सलवाद भारत के वामपंथी आंदोलन में 60 और 70 के दशक में पैदा हुई एक उपधारा थी, जो अपने मूल स्वरूप में लगभग लुप्त हो चुकी है। आजादी के बाद साम्यवादी राजनीति का मुख्य वाहक थी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी। लेकिन चीन से युद्ध के बाद इस पार्टी का विभाजन हुआ। उसका नरम और रूस समर्थक धड़ा मूल पार्टी के साथ रहा, तो गरम और चीन के प्रति झुकाव रखने वाला धड़ा 1964 में अलग हो गया और उसने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) बनाई, जिसे हम सी.पी.एम. के नाम से जानते हैं। नक्सलवादी आंदोलन इसी सी.पी.एम. से कुछ साल बाद अलग हुई और भी उग्र उपधारा का नाम है। उत्तर बंगाल के एक गांव नक्सलबाड़ी से शुरू होने के कारण इसका नाम नक्सलवाद पड़ा। वामपंथियों का यह समूह चीन के कम्युनिस्ट नेता माओत्से तुंग (माओ) की विचारधारा से प्रभावित था। इनका मानना था कि भारत में क्रांति की मुख्य रणनीति होगी गांव में गरीब खेतिहर मजदूरों को जमींदारों के विरुद्ध संगठित करना। नक्सलवादियों की शिकायत थी कि स्थापित कम्युनिस्ट पार्टियां व्यवस्था से समझौता कर चुकी हैं और व्यवस्था परिवर्तन के लिए सशस्त्र क्रांति की जरूरत है। इस विचारधारा के प्रभाव में आकर 70 के दशक में देश के अलग-अलग हिस्सों में नक्सली संगठनों का गठन हुआ और उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में ड्क्षहसक विद्रोह करने का असफल प्रयास किया। धीरे-धीरे दर्जनों नक्सली संगठन और पार्टियां बन गईं, जो भूमिगत तरीके से काम करते रहे। इन सभी कोशिशों को सरकार द्वारा बलपूर्वक खत्म कर दिया गया। कालांतर में अधिकांश नक्सली संगठनों ने ड्क्षहसा का रास्ता त्याग दिया और लोकतांत्रिक चुनावों या फिर लोकतांत्रिक जनांदोलनों की धारा में शामिल हो गए। आज भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी), जिसे 'माले' कहा जाता है, वह इसी नक्सली आंदोलन की संसदीय परिणीति है। उसके दो सांसद भी हैं। नक्सली आंदोलन ने एक जमाने में आदर्शवादी युवाओं, लेखकों, कवियों और कलाकारों को छुआ। लेकिन धीरे-धीरे हिंसक क्रांति में जुटे नक्सलियों का भी पतन हुआ और उनमें सिर्फ हिंसा, दबंगई और फिरौती वाले तत्व घुस गए। आज भी नक्सली आंदोलन का एक छोटा सा समूह माओवादी कम्युनिस्ट पार्टी चलाता है और छत्तीसगढ़, तेलंगाना, ओडिशा और झारखंड के कुछ जिलों में उसकी भूमिगत हिंसक गतिविधियां होती हैं। लेकिन देश के अधिकांश जनांदोलनों और खुद नक्सली विचारधारा से प्रभावित संगठनों ने भी उनकी हिंसक कार्यशैली को पूरी तरह खारिज कर दिया है। नक्सली आंदोलन अब अपने अतीत के अवशेष के रूप में ही जीवित है। ''तो ये अर्बन नक्सल कौन हैं? यह कोई नया धड़ा या उपधारा है?'' मेरे युवा साथी का सवाल था। ''नहीं, अर्बन नक्सल कुछ भी नहीं है। देश का कोई संगठन या व्यक्ति अपने आप को अर्बन नक्सल नहीं कहता। ऐसी कोई विचारधारा नहीं है। यह सिर्फ एक गाली है, जिसे जब चाहे जिस व्यक्ति और संगठन पर जड़ दिया जाता है। भारत जोड़ो अभियान को ही लें, जिसमें कई गांधीवादी, समाजवादी, उदारवादी और अम्बेडकरवादी संगठन जुड़े हैं, जिन्होंने हमेशा हिंसक राजनीति का विरोध किया, जिनका नक्सली आंदोलन से कभी कोई वास्ता नहीं रहा, अब उन पर भी यह गाली मढ़ दी गई।'' मैंने स्पष्ट किया। मजे की बात यह है कि खुद मोदी सरकार संसद में कई बार कह चुकी है कि 'अर्बन नक्सल' नामक कोई चीज सरकारी शब्दकोष में नहीं है। सरकार नहीं जानती कि यह क्या बला है। 12 मार्च, 2020 को तृणमूल कांग्रेस के सांसद शांता छेत्री के सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री किशन रेड्डी और 9 फरवरी, 2022 को भाजपा सांसद राकेश सिन्हा के सवाल के जवाब में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लिखित जवाब दिया कि अर्बन नक्सल नामक कोई शब्द भारत सरकार इस्तेमाल नहीं करती, उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। ''तो फिर यह माजरा क्या है?'' मेरा युवा साथी अधीर हो रहा था। अर्बन नक्सल दरअसल भाजपा के मन का एक डर है। हमारे मन का भय बाहर एक भूत की सृष्टि करता है। इस भय की सबसे अच्छी व्याख्या हिन्दी के प्रसिद्ध कवि गोरखनाथ पांडेय की कविता 'उनका डर' करती है। हालांकि यह भाजपा के उभार से बहुत पहले लिखी गई थी। लेकिन यह कविता अर्बन नक्सल नामक भूत के पीछे छिपे गहरे डर की शिनाख्त करती है : 'वे डरते हैं किस चीज से डरते हैं वे तमाम धन-दौलत गोला-बारूद, पुलिस-फौज के बावजूद? वे डरते हैं कि एक दिन निहत्थे और गरीब लोग उनसे डरना बंद कर देंगे।'

अखिलेश का आजम के परिवार से मिलकर मुस्लिम वोटों को जोड़ने की कोशिश

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के उपचुनाव के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के लिए राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं, और इस माहौल में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की रामपुर में आजम खान के परिवार से मुलाकात के सियासी मायने गहरे होते जा रहे हैं। इस मुलाकात को लेकर चर्चा हो रही है कि सपा इस अवसर का इस्तेमाल मुस्लिम वोट बैंक को एकजुट करने के लिए कर सकती है, खासकर उन सीटों पर जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। उपचुनाव में मुस्लिम वोटों का बिखराव सपा के लिए भारी पड़ सकता है, और ऐसे में आजम खान का परिवार सपा के लिए राजनीतिक समीकरण को साधने की एक अहम कड़ी बन सकता है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव 11 अक्टूबर को मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट पर चुनावी रैली करने के बाद सीधे रामपुर जाएंगे, जहां वे जौहर यूनिवर्सिटी के पास स्थित आजम खान के घर पर उनके परिवार से मिलेंगे। अखिलेश यादव आजम खान की पत्नी तजीन फात्मा, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात करेंगे। पिछले कुछ समय से, सपा ने आजम खान के मामले में कोई खास सार्वजनिक कदम नहीं उठाया था, लेकिन अब जब उपचुनाव की स्थिति विकट हो गई है, तो अखिलेश यादव आजम खान के परिवार से मिलकर मुस्लिम समुदाय के बीच अपनी सियासी पकड़ को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

आजम खान, जो सपा के कद्दावर मुस्लिम नेता माने जाते हैं, पिछले एक साल से सीतापुर जेल में बंद हैं। उनके बेटे अब्दुल्ला आजम भी जेल में हैं, और उनकी पत्नी तजीन फात्मा जमानत पर बाहर आई हैं। पिछले साल से सपा का कोई बड़ा नेता आजम खान या उनके परिवार से मिलने नहीं गया, लेकिन उपचुनाव के दरम्यान अखिलेश यादव ने यह कदम उठाया है, जो मुस्लिम वोटों के बंटवारे के खतरे को देखते हुए राजनीतिक मजबूरी भी बन गया है। इस मुलाकात को लेकर सियासी हलकों में यह भी चर्चा है कि अखिलेश यादव मुस्लिम वोट बैंक को एकजुट रखने के लिए यह प्रयास कर रहे हैं, जो सपा के लिए उपचुनाव में बेहद महत्वपूर्ण है।

उत्तर प्रदेश में इस बार कुल नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, जिनमें से छह सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में हैं। इनमें से तीन सीटें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हैं, जहां पर आजम खान का प्रभाव रहा है।

खासकर कुंदरकी सीट पर सपा के लिए चुनौती बड़ी है, क्योंकि यहां मुस्लिम मतदाता बड़ी संख्या में हैं और मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारने वाली कई अन्य पार्टियों ने सपा के सामने एक बड़ा सियासी संकट खड़ा कर दिया है। बसपा से लेकर एआईएमआईएम और चंद्रशेखर की पार्टी तक ने मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर वोटों के विभाजन का खतरा पैदा कर दिया है।

मुस्लिम वोटों का बिखराव सपा के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। अगर वोट बंटते हैं, तो इसका सीधा असर सपा की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा, खासकर उन सीटों पर जहां मुस्लिम समुदाय की निर्णायक भूमिका है। कुंदरकी, सीसामऊ और मीरापुर जैसे क्षेत्रों में सपा ने मुस्लिम उम्मीदवार खड़े किए हैं, और इन सीटों पर मुस्लिम वोटों के बिना जीतना लगभग असंभव है। पिछले चुनावों में मुस्लिम वोटों के सहारे सपा ने इन सीटों पर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस बार समीकरण बदल गए हैं।

सपा के लिए यह उपचुनाव राजनीतिक सियासत में ध्रुवीकरण के बीच एक बड़ा अवसर भी बन गया है। मुस्लिम समुदाय की नाराजगी को देखते हुए अखिलेश यादव अब इस समुदाय को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने आजम खान के परिवार से मुलाकात करने का निर्णय लिया है, ताकि मुस्लिम वोटों को एकजुट किया जा सके और चुनाव में सपा की स्थिति मजबूत हो सके। खासतौर पर कुंदरकी और सीसामऊ जैसी सीटों पर, जहां मुस्लिम समुदाय की बड़ी संख्या है, सपा के लिए मुस्लिम वोटों का एकजुट होना बेहद जरूरी हो गया है।

इस संदर्भ में शौकत अली, एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष, का कहना है कि एक साल से आजम खान और उनके बेटे जेल में बंद हैं, लेकिन सपा ने न तो उनकी रिहाई के लिए कोई प्रयास किया और न ही आजम खान के समर्थन में कोई आंदोलन चलाया। उनका कहना था कि आजम खान को केवल मुस्लिम होने के कारण सजा दी जा रही है, और सपा ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली है। यह आरोप भी लगाया गया है कि सपा की चुप्पी से मुस्लिम समुदाय के बीच एक असंतोष बढ़ा है, और यही कारण है कि अब अखिलेश यादव को आजम खान के परिवार से मिलकर मुस्लिम समुदाय को संदेश देना पड़ रहा है।

अखिलेश यादव का आजम खान के परिवार से मिलना एक राजनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। उनके लिए यह जरूरी हो गया था कि वे मुस्लिम समुदाय को यह संदेश दें कि सपा उनके हितों की रक्षा करने के लिए तैयार है। यह मुलाकात न केवल मुस्लिम वोटों को एकजुट करने की कोशिश है, बल्कि यह सपा की राजनीतिक छवि को भी फिर से मजबूत करने का प्रयास हो सकता है, जो उपचुनाव में उसकी सफलता के लिए अहम साबित हो सकता है।

लोकसभा चुनावों में सपा ने रामपुर से अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन उसके बाद से आजम खान के मामले में सपा की चुप्पी ने उन्हें आलोचनाओं का शिकार बनाया था। अब जब उपचुनाव की घड़ी आई है, तो अखिलेश यादव को यह समझ में आया है कि मुस्लिम समुदाय के भीतर उठ रहे सवालों का समाधान करना जरूरी है। अगर सपा आजम खान के परिवार को लेकर एक सकारात्मक संदेश देने में सफल होती है, तो इसका सीधा फायदा उसे मुस्लिम मतदाताओं के रूप में मिल सकता है।

हालांकि, अखिलेश यादव के लिए यह आसान नहीं होगा, क्योंकि मुस्लिम समुदाय की नाराजगी को दूर करना एक बड़ा चुनौती है। इसके बावजूद, सपा अपनी पूरी ताकत से इस चुनावी मुकाबले को जीतने के लिए प्रयासरत है। आजम खान के परिवार से मुलाकात कर, सपा इस उपचुनाव में अपने सियासी कदमों को और मजबूत कर सकती है, और मुस्लिम वोटों को अपने पक्ष में करने के लिए एक अहम रणनीतिक कदम उठा सकती है। यह देखना होगा कि क्या अखिलेश यादव इस बार अपनी पार्टी को सफलता दिलाने में कामयाब हो पाते हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ का रिटायरमेंट और पश्चिम बंगाल के 5 मामले

सत्येंद्र प्रताप सिंह

जस्टिस और चीफ जस्टिस की हैसियत से कई महत्वपूर्ण फैसले देने वाले सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल 10 नवंबर 24 को समाप्त हो गया। डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल समाप्त जरूर हो गया लेकिन पश्चिम बंगाल के 5 महत्वपूर्ण मामलों का क्या हुआ? जिसकी सुनवाई जस्टिस चंद्रचूड़ की सिंगल और डिवीजन बेंच में चल रही थीं। पूरे राज्य की निगाहें जिस पर टिकी हुई हैं। कौन से हैं वह 5 महत्वपूर्ण मामले और क्या है उनकी मौजूदा स्थिति व प्रगति इस पर एक नजर डालते हैं।

आरजी कर रेप एंड मर्डर कांड

पश्चिम बंगाल के 5 महत्वपूर्ण मामलों में फिलहाल सबसे ताजा व सबसे चर्चित मामला है, आरजी कर हॉस्पिटल एंड कॉलेज में जूनियर डॉक्टर का रेप और मर्डर। चीफ जस्टिस की हैसियत से डीवी चंद्रचूड़ ने इस मामले की 18 अगस्त 22 को स्वत: संज्ञान लेते हुए 20 अगस्त 22 को पहली सुनवाई किए थे। हर सुनवाई में सीबीआई स्टेटस रिपोर्ट जमा करती थी और जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी ध्यान आकर्षित करती थी। पहला स्टेटस रिपोर्ट देखकर ही काफी चिंतित व विचलित हुए थे। इन्होंने कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां भी दी।

जैसे, विकिपीडिया और सोशल मीडिया से पीड़िता-मृतका का तस्वीर, नाम और परिचय तत्काल हटाये जाने का सख्त निर्देश दिए। अस्पतालों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरा निर्धारित समयसीमा के अंदर पर्याप्त संख्या में लगाने का निर्देश दिए। राज्य सरकार महिला स्वास्थ्य कर्मियों की रात्रि सेवा पर रोक लगाने की निर्देश दी थी, उस आदेश को तत्काल रदद् करने का निर्देश दिए। सिविक वालंटियर्स पर राज्य सरकार से जवाब मांगे। इनकी नियुक्ति कैसे व किस आधार पर होती है? कॉन्ट्रेक्ट कर्मचारी की नियुक्ति संवेदनशील स्थान पर क्यों होती है? इससे संबंधित कुल पांच सवालों का जवाब मांगे थे। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के द्वारा आखिरी सुनवाई 7 नवंबर के दिन इस विषय की कोई जानकारी सामने नहीं आई। अगली सुनवाई 10 दिसंबर 22 को होने की संभावना है।

ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द मामला

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जारी 12 लाख से अधिक ओबीसी सर्टिफिकेट को कलकत्ता हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। लिहाजा नौकरी व सुविधा प्राप्त लोगों का भविष्य अधर में लटक गया। राज्य सरकार कलकत्ता हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के बेंच में 18 जून 22 को पहली सुनवाई हुई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने राज्य सरकार से रिपोर्ट तलब जरूर की।

कौन लोग ओबीसी में हैं? सरकार कैसे तय करती है? किस आधार पर ओबीसी सर्टिफिकेट देती है? ओबीसी से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा करने का निर्देश दी। इस मामले में कुछ खास तेजी या प्रगति देखने को नहीं मिली। वकीलों ने 7 नवंबर को जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से इस प्रसंग पर जरूर सवाल पूछा था। इस मामले की अगली सुनवाई 13 नवंबर%22 को होने की संभावना है।

26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द

कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा दिये गए 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने साल 2016 में की गई पूरी नियुक्ति प्रकिया को ही रद्द घोषित कर दिया। साथ ही शिक्षकों को प्राप्त वेतन लौटाने का निर्देश दिया और राज्य सरकार से इस पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। राज्य सरकार कलकत्ता हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

राज्य शिक्षा दफ्तर, स्कूल सर्विस कमीशन, माध्यमिक शिक्षा परिषद और इसके बाद नौकरी गंवाने वालों की अच्छी खासी संख्या ने भी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में 24 जुलाई को पहली सुनवाई हुई और सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पूरी होने तक स्थगनादेश दे दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ही 26 हजार शिक्षकों का भविष्य निर्भर करता है। ऐसे में यह शिक्षक आशंकित और आतंकित हैं. इस मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर 22 को होने की संभावना है।

राज्यपाल के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप

यह मामला बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोप से जुड़ा है। राज्यपाल पर राजभवन की ही एक महिला संविदा कर्मचारी ने छेड़छाड़ का आरोप कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में लगाया था, लेकिन संवैधानिक प्रावधान के चलते उन पर कोई केस दर्ज नहीं हुआ। (संविधान का अनुच्छेद 361 प्रावधान राज्यों के राज्यपालों और राष्ट्रपति को किसी भी तरह के आपराधिक मुकदमे से पूरी तरह की छूट देता है) इसके बाद उक्त महिला कर्मचारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई, जिसमें राज्यपाल को छूट देने वाले संविधान के अनुच्छेद 361 की न्यायिक जांच और विशेष दिशा-निर्देश देने की मांग की।

19 जुलाई 22 को जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में इस मामले की पहली और आखिरी सुनवाई हुई। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से मदद मांगी साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार को भी नोटिस जारी किया, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल राजभवन की महिला कर्मचारी से कहा है कि वह अपनी याचिका में केंद्र सरकार को भी पार्टी बनाए, साथ ही सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 361 की रूपरेखा की जांच करने के लिए तैयार हो गया. हालांकि 19 जुलाई को हुई एकमात्र सुनवाई के बाद इस मामले की ताजा स्टेटस रिपोर्ट की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है न ही अगली सुनवाई की कोई तिथि निश्चित है।

मेडिकल कॉलेज नियुक्ति मामला

मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति मामला काफी सुर्खियों में रहा था। दो जजों की लड़ाई ने इस मामले की गंभीरता को और अधिक बढ़ा दिया। जनवरी 22 में जस्टिस अभिजीत गांगुली (बीजेपी के मौजूदा लोकसभा सांसद) ने मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति को रद्द कर सीबीआई जांच का आदेश दिया था। कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सौमेन सेन की डिवीज़न बेंच ने जस्टिस अभिजीत गांगुली की सिंगल बेंच के फैसले को रद्द कर दिया।

जस्टिस गांगुली डिवीज़न बेंच के खिलाफ कई सारे अभियोग व आरोप लगाते हुए फैसले को त्रुटिहीन बताया और अपने फैसले पर अडिग रहे। हाईकोर्ट में इस बेनजीर स्थिति को देखते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने 27 जनवरी 22 को स्वत: संज्ञान लेते हुए शनिवार छुट्टी के दिन 29 जनवरी 22 को सुनवाई किए।

मेडिकल में नियुक्ति के सारे मामले कलकत्ता हाई कोर्ट से हटाए जाने के साथ ही काफी तीखी टिप्पणी किये. सिंगल और डिवीज़न बेंच के इस लड़ाई को अच्छी निगाह से नहीं देखा जा रहा है. इसके अतिरिक्त और कुछ कहने से हाई कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचेगी. दो जजों की लड़ाई में उलझे इस मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर 22 को होने की संभावना है।

बहरहाल, यह पांच महत्वपूर्ण मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं जिनकी सुनवाई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में हो रही थी। इसमें दो मामले ऐसे हैं जिसे उन्होंने स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई की थी। आरजी कर रेप एंड मर्डर कांड और मेडिकल कॉलेज नियुक्ति मामला। नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने दायित्व संभाल लिया है और इनका कार्यकाल 1 मई 2025 तक है. छह महीने कुछ दिन के इस कार्यकाल में कुछ मामलों का फैसला आ पायेगा क्या? यह देखने वाली बात होगी।

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भाँति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीह्यउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीह्यउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीह्यउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुनः रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेक्टीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छेटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1:-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1:

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6:

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्रकर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम, भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए, जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद, 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है, तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगे तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक, तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

वायनाड पर प्रियंका को शानदार जीत दिलाएं : राहुल

नईदिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को वायनाड के मतदाताओं से अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा का समर्थन करने की अपील की और कहा कि वह उनके लिए एक प्रतिनिधि से ज्यादा उनकी बहन, बेटी और उनकी आवाज उठाने वाली सदस्य होंगी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं इस चुनाव में वायनाड में अपने परिवार से संपर्क कर रहा हूं। मेरी बहन प्रियंका गांधी संसद में आपकी आवाज बनने के लिए तैयार हैं।'' राहुल ने कहा, ''वह एक प्रतिनिधि से ज्यादा होंगी - वह आपकी बहन, आपकी बेटी और आपका पक्ष रखने वाली होंगी।'' पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि बाहर निकलें, वोट करें और उनका समर्थन करें। आइए, मिलकर उन्हें एक शानदार जीत दिलाएं।'' वायनाड लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव में मतदान बुधवार सुबह 7 बजे शुरू हुआ।

झारखंड में बही लोकतंत्र की बयार, काम नहीं आई धमकी

रांची। प्राथमिक विद्यालय सोनापी में मतदाताओं ने नक्सली धमकी को खारिज कर दिया और बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकले। नक्सलियों ने पोस्टर लगाकर रास्ता रोकने की कोशिश की। सुरक्षा बलों ने पोस्टरों और बाधाओं को सफलतापूर्वक हटा दिया और सुबह 11 बजे तक, झारखंड के पश्चिम सिंहभूम के सोनापी, जगन्नाथपुर एसी में मतदान केंद्र संख्या 25 पर 60% मतदान दर्ज किया गया। झारखंड में पहले चरण के चुनाव के बीच एक और सुखद खबर आमने आई है। सीईओ झारखंड ने बताया कि बरगद गढ़वा के यूएमएस हेसातु में लंबी कतारें, प्रशंसात्मक अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण मतदान बूढ़ा पहाड़ में लोकतंत्र के एक नए युग के उद्भव का प्रतीक है, जो कभी नक्सलियों का गढ़ था। लोकसभा चुनाव 2024 में पहली बार मतदान केंद्र बनाया गया, जहां लोगों ने पहली बार अपने गांव में मतदान किया।

विस चुनाव से पहले शाइना एनसी ने उद्धव गुट को घेरा

मुंबई। महाराष्ट्र में अगले हफ्ते विधानसभा चुनाव होने वाला है। राज्य में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक दलों की ओर लगातार विवादित बयान भी दिए जा रहे हैं। इस बीच शिवसेना नेता साइना एनसी ने शिवसेना (यूबीटी) को घेरा। हाल ही में उद्धव गुट के शिवसेना नेता अरविंद सावंत ने शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता शाइना एनसी को लेकर विवादास्पद बयान दिया था। हालांकि, उन्होंने केस दर्ज कराया था, लेकिन चुनाव से पहले साइना ने एक बार फिर उद्धव गुट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले वे आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं और फिर बाद से सफाई पेश करते हैं। विधानसभा चुनाव से पहले शिवसेना नेता साइना एनसी ने कहा, मैं उबाता सेना (उद्धव ठाकरे की सेना) पर सवाल उठाना चाहती हूं। पहले तो आप महिलाओं के लिए अनुचित शब्दों का इस्तेमाल करते हैं और फिर बाद में उसे आपत्तिजनक बताते हैं।

मुस्लिमों के आरक्षण प्रस्ताव पर सिद्धारमैया ने खुद दी सफाई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार नौकरियों में मुस्लिम आरक्षण के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। उन्होंने रिपोर्टों को एक और नया झूठ बताया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में स्पष्ट किया कि आरक्षण की मांग की गई है लेकिन इस संबंध में सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। यह स्पष्टीकरण कर्नाटक में मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे पर चल रहे विवाद के बीच आया है। सीएमओ ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि कुछ मीडिया में रिपोर्ट छपी है कि नौकरियों में मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रस्ताव सरकार के सामने है. यह सच है कि आरक्षण की मांग होती रही है। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि इस संबंध में सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव नहीं है। श्रेणी-2बी के तहत प्रस्तावित 4% कोटा से कर्नाटक में सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों के लिए कुल आरक्षण बढ़कर 47% हो जाएगा।

अमानतुल्लाह खान के खिलाफ चार्जशीट पर फैसला सुरक्षित

नईदिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेना है या नहीं, इस पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। आरोपपत्र में आम आदमी पार्टी (आप) नेता अमानतुल्ला खान और मरियम सिद्दीकी का नाम है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने संज्ञान पक्ष पर आदेश सुनाने के लिए 14 नवंबर की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत को बताया कि अपराध की कमाई को संपत्ति में निवेश किया गया था, जिसे अमानतुल्ला खान की दूसरी पत्नी मरियम सिद्दीकी के नाम पर खरीदा गया था। ईडी ने आरोप लगाया कि रुपये की संपत्ति। खान के निर्देशन में ओखला में 36 करोड़ रुपये का अधिग्रहण किया गया। 27 करोड़ का नकद भुगतान किया। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने ईडी से सवाल किया कि अमानतुल्ला खान मनी लॉन्ड्रिंग अपराध से कैसे जुड़े थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को दूसरे एम्स की सौगात दी

■ **कहा- इस एक योजना से सवा लाख करोड़ बचे**

दरभंगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 12 हजार करोड़ के योजनाओं की सौगात बिहारवासियों को दी है। उन्होंने दरभंगा एम्स के निर्माण की आधारशिला रखी। इसमें एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल और एक आयुष ब्लॉक, एक मेडिकल कॉलेज, एक नर्सिंग कॉलेज, एक रैन बसेरा और आवासीय सुविधाएं होंगी। इसके अलावा बिहार में करीब 5,070 करोड़ रुपये की लागत वाली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इतना ही नहीं दो रेलवे ओवर ब्रिज का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने बंधुगंज में एक प्रमुख पुल का भी उद्घाटन किया। यह जहानाबाद को बिहार शरीफ से जोड़ेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। 1,740 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही औरंगाबाद जिले के चिरालापोथु से बाघा बिशुनपुर तक 220 करोड़ रुपये से अधिक की सोनेनगर बाइपास रेलवे लाइन की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैथिली भाषा में मिथिलांचल वासियों को नमन किया। उनका अभिनंदन किया। कहा कि आज झारखंड में मतदान हो रहा है। झारखंड के लोगों से अपील करुंगा कि आज ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोट करें। मैं मिथिला की बेटी स्वर कोकिला स्व. शारदा सिन्हा को नमन करता हूं। मैथिली और भोजपुरी संगीत में उनका योगदान अतुलनीय है। छठ महापर्व पर उनके गीत देश दुनिया में बजते हैं। हम विकसित भारत की तरफ तेजी से कदम बढ़ा हैं। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि हम इसके साक्षी बन रहे हैं और देश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि दरभंगा में एम्स का सपना साकार होने की तरफ एक बड़ा कदम उठाया है। दरभंगा एम्स से बिहार, बंगाल और नेपाल के लोगों को फायदा

मिलेगा। एम्स से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बनेंगे। मैं दरभंगा और पूरे मिथिला को इन विकास कार्यों के लिए बधाई देता हूं। हमारे देश में सबसे बड़ी आबादी गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए है। बीमारी भी सबसे अधिक इन्हीं लोगों को प्रभावित करती है। हम सब इसी पृष्ठभूमि से आते हैं। घर में कोई बीमार पड़ता है तो कैसे पूरा परिवार संकट में आ जाता है? हम इसे समझते हैं। पहले के दौर में अस्पताल भी कम थे। डॉक्टर कम थे। दवाइयां कम थी। सरकारें सिर्फ वादों और दावों में उलझी रहती थी। यहां बिहार में जब तक नीतीश कुमार सरकार में नहीं आए थे तब तक गरीबों की चिंता को लेकर कोई गंभीरता नहीं थी। गरीबों के पास बीमारी को सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। हमारा देश कैसे आगे बढ़े? इसके लिए हमारी सरकार ने सोच और एप्रोच बदला। हमारा पहला फोकस बीमारी से बचाव पर है। दूसरा फोकस बीमारी के इलाज पर है। तीसरा फोकस सस्ता इलाज और दवाई। चौथा फोकस छोटे शहरों में इलाज की सुविधा देना और पांचवां फोकस टेक्नोलॉजी के जरिए इलाज की व्यवस्था करना है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से लाखों गरीबों का इलाज हो रहा है। अगर यह नहीं होता तो गरीब अस्पताल ही नहीं जाते हैं। अब सरकारी के साथ प्राइवेट अस्पतालों में भी इलाज हो रहा है। सवा लाख करोड़ रुपये गरीबों के बचे हैं। एक योजना से देश के गरीबों के सवा लाख करोड़ रुपये बचे हैं। अब तो 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों को भी आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जा रहा है। बिहार में भी 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू हो गई है। बहुत जल्द सभी बुजुर्गों के पास आयुष्मान वय वंदन योजना का कार्ड होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के 60 सालों तक देश में एक ही एम्स था। देशवासियों को दूर दराज से दिल्ली आना पड़ता था। काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। हमारी सरकार ने नए नए एम्स बनाए। आज देश में दो दर्जन एम्स हैं। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टरों की संख्या में बढोतरी हुई है। पहले डॉक्टर बनना हो तो अंग्रेजी माध्यम जरूरी था। अब डॉक्टर पढ़ना है या इंजीनियरिंग पढ़ना है तो वह अपनी मातृभाषा में पढ़कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। यह भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि हैं। हमारी सरकार ने एक और बड़ा निर्णय लिया, इससे युवाओं को काफी फायदा होगा। देश में हिन्दी या अन्य भाषाओं में भी मेडिकल की पढ़ाई होगी। यानी अब दलित, गरीब और आदिवासी भी आसानी से डॉक्टर बन पाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मुजफ्फरपुर में कैंसर का बड़ा अस्पताल बन रहा है। इससे एक ही छत के नीचे सभी तरह के कैंसर का इलाज होगा। जल्दी ही आंखों का अस्पताल भी बिहार में बन रहा।

पीएम मोदी ने कहा कि यह एनडीए सरकार ही है, जिसने मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया था। झारखंड में मैथिली भाषा को दूसरे राजभाषा का दर्जा दिया। दरभंगा, सीतामढ़ी और अयोध्या रूट पर अमृत भारत टेन से काफी मदद मिली है। आज मैं दरभंगा महाराज कामेश्वर सिंह को भी योगदान रहा है। आजादी से पहले देश के विकास में काफी योगदान रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्री काशी के विकास में भी उनका काफी योगदान रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं एक बार फिर दरभंगा एम्स और अन्य विकास योजनाओं के लिए आप सभी को बधाई देता हूं। यह कहते हुए पीएम ने अपना संबोधन खत्म किया।

डंके की चोट पर वक्फ कानून में संशोधन करेगी मोदी सरकार: शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि डंके की चोट पर नरेंद्र मोदी सरकार वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन करेगी, चाहे कुछ भी हो और उसके बाद कोई भी निजी भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं कर पाएगा। शाह ने कहा कि महा विकास अघाड़ी बदलावों के खिलाफ है, लेकिन वक्फ बोर्ड के संबंध में कानून में संशोधन का विधेयक जल्द ही संसद में पारित किया जाएगा। शाह ने काह कि अभी-अभी हमारी सरकार ने वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन का बिल रखा।

भाजपा नेता ने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस शासित कर्नाटक में गांव के गांव वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिए गए। कई

मंदिर, लोगों के घर, किसानों की जमीन भी वक्फ की संपत्ति घोषित कर दी गई, लेकिन वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन के बाद आपकी जमीन वक्फ नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार वक्फ कानून डंके की चोट पर बदलने वाली है फिर किसी की जमीन या घर को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जाएगा। ये आज़ाद भारत है और ऐसा करने की इजाज़त किसी को नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी-अभी उलेमाओं का एक बड़ा हुजूम महाराष्ट्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष से मिला और उनको आवेदन पत्र देकर मांग की कि मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए।

शाह ने कहा कि इस देश में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा चुका है, और अगर कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती हैं, तो किसी का आरक्षण काटना पड़ेगा। ये ओबीसी, दलित, आदिवासी का आरक्षण काटकर अपने वोट बैंक को देंगे। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। मैं आज घाटकोपर की जनता से कह कर जाता हूं कि जिनता जोर लगाना है, राहुल बाबा और कंपनी लगा लो, ओबीसी, दलित, आदिवासियों के आरक्षण की सुरक्षा हम करेंगे।

वक्फ अधिनियम 1995, मूल रूप से वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने के लिए स्थापित किया गया था, लेकिन इसे कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के मुद्दों पर लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ा है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024, जिसे इस अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था, अवैध रूप से कब्जे वाली संपत्तियों को पुन: प्राप्त करने के लिए डिजिटलीकरण, सख्त ऑडिट, पारदर्शिता और कानूनी तंत्र की शुरुआत करके व्यापक सुधार लाने का प्रयास करता है।

अजित पवार को भाया मोदी का एक है तो सेफ है का नारा

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक है तो सेफ है नारे का समर्थन किया, लेकिन योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे नारे का विरोध करते हुए इसे महाराष्ट्र की वैचारिक विरासत से अलग बताया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके भतीजे और अब प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार युगेंद्र पवार को राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है, और वह बारामती में रहना भी पसंद नहीं करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी नारे एक है तो सुरक्षित है का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भारत एकजुट रहेगा तो सुरक्षित रहेगा।

अजित पवार ने कहा कि उस (नारे) में कुछ भी गलत नहीं है, मुझे यहां कोई मुद्दा नहीं दिखता। अगर

हम साथ रहेंगे तो हर कोई समृद्ध होगा। हालाँकि, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस कथन पर असहमति व्यक्त की कि बँटोगे तो कट जाओगे। उन्होंने फिर से कहा कि बटेंगे तो काटेंगे वाली टिप्पणी अनुचित है। यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश में लोगों की सोच अलग है, लेकिन ऐसे बयान यहां नहीं चलते। मेरी राय में, ऐसे शब्दों का प्रयोग महाराष्ट्र में कोई महत्व नहीं रखता है।

पवार ने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शाहू महाराज, महात्मा ज्योतिराव फुले और शिवाजी महाराज का राज्य है। महाराष्ट्र के लोग अलग हैं, और वे अलग तरह से सोचते हैं। अगर कोई शाहू, शिवाजी, फुले और अंबेडकर की विचारधारा को छोड़ेगा तो महाराष्ट्र उन्हें नहीं छोड़ेगा।

खेल
प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे रोहित

नईदिल्ली। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। टीम इंडिया के साथ कप्तान रोहित शर्मा अभी ऑस्ट्रेलिया नहीं गए हैं जिसके बाद उन्हें लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित शर्मा सिर्फ 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाने वाला पहला टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। लेकिन अब इसे लेकर नया अपडेट सामने आया है।

वहीं अब खबर ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिर्फ पर्थ टेस्ट नहीं, बल्कि एडिलेट टेस्ट भी नहीं खेल पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं होंगे। रोहित एक बार फिर पिता बनने वाले हैं जिस कारण उनकी पत्नी रितिका अगले हफ्ते मां बन सकती हैं। इसी वजह से वह अपने परिवार को वक्त देना चाहते हैं और उन्होंने बीसीसीआई से छुट्टी भी ली है। ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया था कि रोहित की गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम को लीड करेंगे। वैसे बता दें कि, बुमराह टेस्ट टीम के उपकप्तान हैं। ऐसे में नियमित कप्तान के न होने पर उपकप्तान ही टीम की अगुवाई करता है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और उनके साथी जस्टिन लैंगर भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। वे अपनी-अपनी आईपीएल टीमों के साथ 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली मेगा नीलामी के लिए प्रतिबद्धताओं के कारण कमेंट्री नहीं करते दिखेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अखबार द एज के मुताबिक, वहां के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर चैनल सेवन पर नहीं दिखेंगे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में निवेशकों को 8 लाख करोड़ रू. का लगा चूना

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा और दोनों प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी एक बार फिर बड़ी गिरावट लेकर बंद हुए। इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट और विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली के चलते बाजार नीचे आया। साथ ही रिटेल इन्फ्लेशन के 6 प्रतिशत के पार पहुंचने से निवेशकों के सेंटीमेंट पर नेगेटिव असर पड़ा है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज गिरावट के साथ 78,495.53 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 77,533.30 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया था। अंत में सेंसेक्स 984.23 अंक या 1.25% की बड़ी गिरावट लेकर 77,690.95 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 352.55 अंक या 1.48% प्रतिशत फिसलकर 23,530.90 के लेवल पर क्लोज हुआ।

42% तक रिटर्न के लिए पीएसयू स्टॉक में खरीदारी की सलाह

नईदिल्ली। ग्लोबल और घरेलू सेंटीमेंट्स के चलते भारतीय शेयर बाजारों में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। इस बीच दूसरी तिमाही के नतीजों के दम पर चुनिंदा शेयरों में निवेश का मौका बन रहा है। महारत्न पीएसयू ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन के स्टॉक में दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद एक नया सेंटीमेंट बन सकता है। स्टॉक आगे तेजी दिखा सकता है। ज्यादातर ब्रोकरेज हाउस पीएसयू स्टॉक ओएनजीसी पर बुलिश नजर आ रहे हैं। उन्होंने स्टॉक पर 42 फीसदी तक के अपसाइड के टारगेट दिए हैं। बाजार में जारी बिकवाली के बीच यह शेयर बीते 1 हफ्ते में करीब 7 फीसदी टूट चुका है। ब्रोकरेज रिसर्च फर्म एंटिक ब्रोकिंग ने ओएनजीसी पर BUY रेटिंग बरकरार रखी है। साथ ही प्रति शेयर टारगेट प्राइस 327 से बढ़ाकर 364 रुपये किया है। इस तरह मौजूदा भाव से स्टॉक आगे करीब 42 फीसदी का रिटर्न जेनरेट कर सकता है।

जीआईसी रे की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। देश की प्रमुख बीमा कंपनी जीआईसी रे का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 15.9% बढ़कर रू. 1,860.76 करोड़ हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में रू. 1,605.09 करोड़ था। यह वृद्धि मुख्य रूप से निवेश आय में बढ़ोतरी और कमीशन खर्च में कमी के कारण हुई है। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर, जीआईसी रे का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के रू.1,036.06 करोड़ से 74.4% बढ़ा है। कंपनी की निवेश आय में भी 6.6% की वृद्धि हुई है, जो बढ़कर रू. 3,483.34 करोड़ हो गई है। दूसरी ओर, कमीशन खर्च में 9.67% की कमी आई, जो रू. 1,493.68 करोड़ रहा। हालांकि, कंपनी का शुद्ध प्रीमियम 23.71% घटकर रू. 7,603.76 करोड़ पर आ गया है। 30 सितंबर 2024 तक कंपनी का सॉल्वेंसी रेशियो बढ़कर 342% हो गया है, जो पिछले वर्ष इसी दिनांक को 282% था।

अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि

नईदिल्ली। यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर मामूली बढ़त के साथ 3,93,238 इकाई हो गयी। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,89,714 इकाई थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बयान में कहा, पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 14% बढ़कर 21,64,276 इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 18,95,799 इकाई थी। स्कूटर की बिक्री अक्टूबर में 22% की वृद्धि के साथ 7,21,200 इकाई रही। मोटरसाइकिल की थोक बिक्री पिछले महीने 11% की बढ़त के साथ 13,90,696 इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 12,52,835 इकाई थी। अक्टूबर में मोपेड की बिक्री घटकर 52,380 इकाई रह गई, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह यह 53,162 इकाई थी।

घरेलू निवेशकों से मजबूत होती भारतीय अर्थव्यवस्था

सतीश सिंह

शेयर बाजार में घरेलू निवेशकों का दबदबा तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों के अतिरिक्त जयपुर, इंदौर, राजकोट, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, पटना जैसे शहर भी घरेलू निवेशकों के गढ़ बन रहे हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़े बताते हैं कि सालाना आधार पर बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और राजस्थान में घरेलू निवेशकों की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि हुई है।

शेयर बाजार में निवेश करने के मामले में बिहार शीर्ष 10 राज्यों में आ गया है। सूची में महाराष्ट्र के बाद उत्तरप्रदेश 1.96 करोड़ निवेशकों के साथ दूसरे स्थान पर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार मई, 2024 में दिल्ली में 1.93 लाख और मुंबई में 71.5 हजार नये निवेशकों ने डीमैट खाता खुलवाया। वहीं, बेंगलुरु में डीमैट खाता खोलने वाले निवेशकों की संख्या 25.8 हजार, पुणे में 25.5 हजार, सूरत में 22.8 हजार, अहमदाबाद में 21.7 हजार, जयपुर में 19.9 हजार और नागपुर में 14.1 हजार रही।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, सालाना आधार पर शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों की संख्या 2023 में सबसे अधिक 49.40 प्रतिशत बिहार में बढ़ी, जिसे मिलाकर आज कुल 71.9 लाख बिहार के निवेशक निवेश कर रहे हैं, वहीं 47.80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा। यहां 1.96 करोड़ निवेशक शेयर बाजार से जुड़े हैं। वहीं 39.10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पश्चिम बंगाल तीसरे स्थान पर है। यहां 1.01 करोड़ निवेशक शेयर बाजार से जुड़े हैं।

दूसरे राज्यों, मसलन महाराष्ट्र में

निवेशकों की संख्या 3.34 करोड़ है और 2023 में यहां सालाना आधार पर नये निवेशकों की संख्या में 25.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गुजरात में निवेशकों की संख्या 1.67 करोड़ है और सालाना आधार पर 2023 में निवेशकों की संख्या में 26.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राजस्थान में निवेशकों की संख्या 1.07 करोड़ है और यहां 2023 में सालाना आधार पर निवेशकों की संख्या में 37.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कर्नाटक में निवेशकों की संख्या 96.2 लाख है, सालाना आधार पर 2023 में यहां निवेशकों की संख्या में 28.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

मध्यप्रदेश में निवेशकों की संख्या 94.0 लाख है और सालाना आधार पर यहां निवेशकों की संख्या में 2023 में 37.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। तमिलनाडु में निवेशकों की संख्या 86.6 लाख है और सालाना आधार पर यहां निवेशकों की संख्या में 2023 में 25.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में निवेशकों का सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआइपी) में निवेश 8,183 करोड़ रुपये से ढाई गुना बढ़कर 20,904 करोड़ रुपये हो गया है। गांव और कस्बाई इलाकों और छोटे शहरों में भी एसआइपी में निवेश करने का चलन बढ़ा है। लोग परंपरागत निवेश को छोड़ म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि प्रमुख शहरी क्षेत्रों या महानगरों में नये निवेशकों की संख्या तेजी से नहीं बढ़ी है। जबकि छोटे शहरों और कस्बाई इलाकों में निवेशकों की संख्या में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है, जिससे निवेश में तेजी आयी और विदेशी निवेश पर निर्भरता कम हुई है।

देश में परंपरागत निवेश के पैटर्न में बदलाव आने के कारण मौजूदा समय में बैंकों में जमा की किल्लत हो रही है। इस संबंध में बैंकों ने जमा के मामले में दोहरी गलती की है। पहली, जमा बढ़ाने के लिए आकर्षक योजनाएं चलाना बंद कर दिया और दूसरी, बैंक डिपॉजिट का इस्तेमाल म्युचुअल फंड और बीमा कारोबार को बढ़ाने में किया जाने लगा। बैंक कर्मचारी ग्राहकों को म्युचुअल फंड और बीमा में अधिक प्रतिफल मिलने का लालच देने लगे। इसकी वजह से ग्राहक मियादी और बचत खाते से निकासी कर म्यूचुअल फंड और बीमा में निवेश करने लगे।

जनजातीय गौरव यात्रा से मिली युवाओं और समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा : मंडाविया

जनजातीय समाज को विकास से जोड़कर गौरव बढ़ा रहे प्रधानमंत्रीः मुख्यमंत्री

रायपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती से दो दिन पूर्व उनके स्मृति में जशपुर में आयोजित जनजातीय गौरव यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय श्रम, युवा एवं रोजगार मामले तथा खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश के मंत्रीगण शामिल हुए। स्थानीय रणजीता स्टेडियम में यात्रा के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि मांडविया ने माई भारत वॉलिंटियर्स द्वारा आयोजित इस यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि यात्रा में शामिल होकर यहाँ की आदिवासी संस्कृति, विरासत, यहाँ की रहन-सहन, वेशभूषा को देखने और जानने का अवसर मिला। इस यात्रा से युवाओं को एकजुट होने और समाज को देश के प्रति जागरूक बनाते हुए उन्हें आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी से प्रेरणा लेकर समाज आगे बढ़े और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विकसित भारत बनाने के संकल्प से जुड़कर देश को विकास के साथ जुड़कर काम करें। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के विकास के लिए जो योजनाएं बनाई है, उसमें आप सभी को जुड़ना है। माई भारत एप्लिकेशन में जाकर अपना रजिस्ट्रेशन भी कराना है। केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया ने कहा कि सुबह से पदयात्रा करते हुए यहाँ के लोक जीवन का परिचय हुआ। जनजाति समाज सहित अन्य समाज के लोग भी इसमें शामिल नजर आए और जगह-जगह अलग-अलग तरीके से स्वागत, अभिनन्दन करते रहे। जगह-जगह स्टॉल लगाकर पानी पिलाना, फल सहित अन्य खाद्य सामग्री बाटना और यात्रा में शामिल सभी लोगों को प्रोत्साहित करते हुए देखकर खुशी हुई। इस यात्रा के दौरान मैंने भी कुछ लोगों से बात की। मुझे देश का उज्ज्वल भविष्य नजर आया। मैं जान पाया कि हमारा देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जनजातीय गौरव यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आदिवासियों का गौरव लगातार बढ़ रहा है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती 15 नवंबर को आज पूरे देश में आदिवासी स्वाभिमान और गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। सर्वोच्च पद पर आज आदिवासी समाज की महिला द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति के रूप में सुशोभित हैं। अति पिछड़े आदिवासियों के विकास को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उच्च प्राथमिकता दी है। पीएम जनमन योजना से जनजातीय समुदाय की तस्वीर बदल रही है। धरती आबा आदिवासी ग्राम उत्कर्ष योजना लॉन्च की गई है और इसके लिए 80 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई को भी याद किया। आदिवासियों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने भारत सरकार में पृथक आदिवासी विकास मंत्रालय का गठन किया।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजधानी रायपुर में 14 और 15 नवंबर को देश भर के आदिवासियों की संस्कृतियों का प्रदर्शन होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने माटी के वीर पदयात्रा समारोह में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री मांडविया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पदयात्रा बेहद सफल रही। उम्मीद से ज्यादा युवा पदयात्रा में शामिल हुए। लोगों को आदिवासी संस्कृति और जनजीवन को निकट से देखने का मौका मिला। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जय, जयकार से पूरा स्टेडियम गुंज उठा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अन्याय के खिलाफ अंग्रेजों से लोहा लिया। लोगों को उनका हक दिलाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। युवाओं को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर देश को विकसित बनाने के अभियान सहभागी बनना चाहिए। आदिम जाति और अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज की पदयात्रा में 15 हजार से अधिक नौजवान शामिल हुए। सभी शुरू से अंत तक पैदल चलकर एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को गौरव दिवस के रूप में स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने पीएम जनमन सहित धरती आबा उत्कर्ष योजना से आ रहे बदलाव के बारे में बताया। वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने समारोह के अंत में आभार व्यक्त किया।

राजधानी में दो दिनों तक बिखरेगी आदिवासी लोक नृत्यों की छटा

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस के भव्य आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के कलाकार भी अपनी संस्कृति की झलक बिखेरेंगे। 14-15 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देने पूर्वोत्तर भारत के पांच राज्यों मेघालय, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के कलाकार रायपुर पहुंच चुके हैं। रायपुर रेलवे स्टेशन पर कलाकारों का पुष्पाहार और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों से आए ये कलाकार वांगला-रुंगला, रेट-किनॉन्ग, गेह पदम ए ना-न्यी ई, सोलकिया जैसे लोक नृत्यों की प्रस्तुति से अपनी संस्कृति के विविध रंग बिखेरेंगे। जनजातीय गौरव दिवस पर प्रस्तुति देने

मेघालय से 20 सदस्यों की टीम रायपुर आई है। यह दल गारो जनजाति द्वारा फसल कटाई के बाद किया जाने वाला वांगला-रुंगला लोक नृत्य प्रस्तुत करेगी। इसके कलाकार मेघालय की राजधानी शिलांग से करीब 200 किलोमीटर दूर नॉर्थ कर्व हिल्स से आए हैं। दल का नेतृत्व कर रहे श्री मानसेन मोमिन ने बताया कि वांगला गारो जनजाति का लोकप्रिय त्योहार है। यह जनजाति कृषि अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। फसल कटाई के बाद उर्वरता के देवता मिसी सालजोंग को धन्यवाद देने के लिए वे यह नृत्य करते हैं। वे फसल उपलब्ध कराने के लिए भगवान को धन्यवाद देते हैं, उनकी पूजा कर नाच-गाकर प्रार्थना करते हैं और नई फसल का भोग लगाते हैं। देवता मिसी सालजोंग को धन्यवाद देने से पहले किसी भी कृषि उत्पाद का उपयोग नहीं किया जाता है।

'मनपसंद' एप्प से ग्राहकों को मिलेगी

आबकारी विभाग लॉन्च किया मोबाइल एप्लिकेशन मनपसंद

रायपुर। आबकारी विभाग की सचिव सुश्री आर शंगीता की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित जीएसटी भवन में आबकारी विभाग की बैठक में एण्ड्राईड मोबाइल बेस्ड एप्लीकेशन मनपसंद लॉन्च किया गया। इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से से ग्राहक न केवल मदिरा दुकानों में मदिरा की उपलब्धता के ब्राण्ड-लेबल, दुकान, कीमत अनुसार उपलब्ध सर्च ऑप्पन से ऑनलाईन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस एप्प के माध्यम से ग्राहक मदिरा दुकान में अपनी पसंद का ब्राण्ड उपलब्ध न होने पर उसकी सुनिश्चित करने की जानकारी भी विभाग को दे सकेंगे। इस एप्लीकेशन से मदिरा दुकानों के संचालन एवं शिकायत पर की जानकारी भी विभाग को दी जा सकेगी। आबकारी विभाग ने यह एप्प एनआईसी के सहयोग से तैयार किया गया है, जिसे गूगल प्ले स्टोर के माध्यम डाउनलोड किया जा सकता है। भविष्य में आई.ओ.एस. बेस्ड वर्जन भी शीघ्र आम जनता हेतु उपलब्ध कराया जावेगा। इस मोबाइल एप्प की लॉन्चिंग के साथ ही आबकारी सचिव ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर समस्त उड़नदस्ता, जिला एवं छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड तथा छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के कार्य एवं गतिविधियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य की जिलेवार प्राप्ति की स्थिति की समीक्षा की.

बस्तर ओलंपिक ने वनांचल के युवाओं को दिया नया मंच, खेलों में बढ़ा उत्साह

रायपुर। जनजातीय बाहुल्य और माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग में खेल के माध्यम से विकास और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा बस्तर ओलंपिक-2024 का आयोजन किया गया है। इस आयोजन को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है, जिसमें सुदूर गांवों से आए युवा अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल को जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक खेलों के संरक्षण के साथ ही, युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया है। नारायणपुर जिले में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 09 से 16 नवंबर तक किया जा रहा है, जिसमें नारायणपुर विकासखंड हेतु प्रतियोगिता का

आयोजन 09 से 11 नवंबर तक नारायणपुर के परेड ग्राउंड और खेल परिसर में किया गया, जिसमें जिले के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ओरछा विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता 14 से 16 नवंबर तक, फिर 19 से 21 नवंबर तक जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले भर के खिलाड़ियों को भाग लेने को मौका मिलेगा। नारायणपुर में हुए आयोजन में बोरावण्ड गांव से आए युवाओं ने बताया कि उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेकर अत्यधिक आनंद मिल रहा है। खिलाड़ियों ने बताया कि यहां उन्हें ठहरने, भोजन, पेयजल और ड्रेस जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बोरावण्ड के खिलाड़ी जयसिंह, रजनु यादव, अमर सिंह मंडावी, सियालाल नाग और उनके साथी बस्तर ओलंपिक में अपने खेल को निखारने के इस अवसर के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

बैज ने दक्षिण के मतदाताओं का आभार जताया

रायपुर। दक्षिण विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुये दावा किया कि दक्षिण की जनता ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। मतदान केंद्रों के बाहर कांग्रेस के पंडालों में उमड़े जन समुदाय से साफ हो रहा था, जनमत कांग्रेस के पक्ष में है। यहां से कांग्रेस के युवा प्रत्याशी आकाश शर्मा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूरे चुनाव अभियान को कांग्रेस पार्टी ने सकारात्मकता के साथ किया। कांग्रेस ने पूरी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा, हमारे सभी बड़े नेता, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण पूरी तन्मयता के साथ चुनाव अभियान में जुटे हुए थे। एक ओर जहां कांग्रेस की एकजुटता दिख रही थी, वही भाजपा का बिखराव भी जन चर्चा का विषय बना हुआ था। केवल एक खेमा भाजपा का चुनाव प्रचार करते हुए दिख रहा था वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक चुनाव प्रचार से दूर थे। मतदान के दौरान जनता का रुझान साफ दिखा जनता बदलाव के लिए मतदान किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस चुनाव का प्रमुख मुद्दा सक्रिय बनाम निष्क्रिय है, भाजपा के प्रत्याशी को जनता ने अनेको अवसर दिया, महापौर रहे.

शराब घोटाला मामलाः टुटेजा और ढेबर को हाईकोर्ट से मिली राहत

बिलासपुर। शराब घोटाला केस के मुख्य आरोपियों में शामिल पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और कारोबारी अनवर ढेबर को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. दोनों ने खुद को रायपुर जेल में ट्रांसफर किए जाने को लेकर हाइकोर्ट के अपील की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच में हुई. बता दें, कि पिछले दिनों दोनों को रायपुर जेल से कांकेर और जगदलपुर की जेल में ट्रांसफर किया गया था. जेल सुप्रीटेंडेंट ने एक एप्लिकेशन रायपुर की अदालत में पेश की थी. जिनमें उन्होंने दोनों पर शांति भंग करने का आरोप लगाते हुए दोनों को अलग अलग कांकेर और जगदलपुर की जेल में शिफ्ट करने की मांग की थी. जिसे कोर्ट के स्वीकार कर लिया था. इस फैसले के खिलाफ दोनों ने हाइकोर्ट में अपील की. अपनी याचिका में दोनों ने कहा कि, उनका केस रायपुर में चल रहा है, उनका वकील और परिवार यहां है ऐसे में कोर्ट का फैसला उनके लिए मुश्किल खड़ी कर रहा है. साथ ही यह भी बताया गया कि निचली अदालत ने उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं दिया था. मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों की अपील स्वीकार करते हुए उन्हें तुरंत रायपुर जेल शिफ्ट करने का ऑर्डर प्रशासन को जारी किया है. गौरतलब है कि आबकारी, कोयला और कस्टम मिलिंग घोटाले के अन्य आरोपियों को पिछले महीने ही प्रदेश के विभिन्न जेलों में ट्रांसफर किया गया था।

केके श्रीवास्तव पर ईडी ने दर्ज किया बड़ा मामला

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी के.के. श्रीवास्तव के खिलाफ पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) और एफईओए (फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स एक्ट) के तहत बड़ा मामला दर्ज किया है। श्रीवास्तव पर आरोप है कि उन्होंने एक ठेके का आश्वासन देकर 15 करोड़ रुपये की ठगी की, साथ ही दिल्ली-मुंबई में फर्जी खातों के जरिए 500 करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध लेनदेन किया। रावत एसोसिएट्स कंपनी के निदेशक अर्जुन रावत की शिकायत के अनुसार, श्रीवास्तव ने रायपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में 500 करोड़ के ठेके का वादा किया था। इस कार्य के लिए श्रीवास्तव ने विभिन्न बैंक खातों में 15 करोड़ रुपये लिए। ठेका न मिलने पर जब रकम वापस मांगी गई, तो श्रीवास्तव द्वारा दिए गए सभी चेक बाउंस हो गए, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। रायपुर पुलिस की जांच में सामने आया कि श्रीवास्तव ने दिल्ली और मुंबई में जोमैटो व स्विगी के कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाए थे। इन खातों के माध्यम से 500 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया गया। रायपुर पुलिस ने इस जानकारी को आयकर विभाग और ईडी के साथ साझा किया, जिसके बाद ईडी ने श्रीवास्तव के खिलाफ मामला दर्ज किया। श्रीवास्तव ने इस मामले में हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाई थी.

रायपुर से नवा रायपुर होते हुए अभनपुर के बीच ट्रेन चलने का हुआ ट्रायल

रायपुर। रायपुर से नवा रायपुर होते हुए अभनपुर के बीच ट्रेन चलने का आज ट्रायल होगा। यात्रियों लंबे इंतजार के बाद यह सुविधा मिलने जा रही है। रेल्वे के अधिकारियों के अनुसार मंगलवार को पहली ट्रेन चलेगी। ट्रेन में रेलवे के सभी विभागों के सुपरवाइजर की मौजूद रहेंगे। मंगलवार सुबह 10ः00 बजे आठ कोच का ट्रेन अभनपुर तक चलेगी। यह ट्रेन रायपुर रेलवे स्टेशन से 10ः00 बजे ट्रायल पर रवाना होगी। रेलवे के अफसरों के अनुसार ट्रेन रायपुर से छूटकर मंदिर हसौद पहुंचकर वहां से सीबीडी होते हुए अभनपुर तक जाएगी। अभनपुर से थोड़ी देर बाद ट्रेन रायपुर वापस लौटेगी। ट्रायल के दौरान अफसरों की टीम ट्रैक की खामियों के आकलन करेगी। ट्रायल सफल होने पर जल्दी रायपुर नया रायपुर से अभनपुर के बीच मेमू ट्रेन चलने की घोषणा की जाएगी। रेलवे के अधिकारियों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। रायपुर से अभनपुर तक मेमू ट्रेन चलाने की योजना है। इसमें एक ट्रेन एक सुबह और एक शाम को चलेगी। छह जगहों पर स्टेशन स्थापित किया गया है। इसमें रायपुर , मंदिर हसौद नवा रायपुर में उद्योग नगर सीबीडी स्टेशन, केंदी, अभनपुर स्टेशन शामिल है।

वरिष्ठ पत्रकार गोपाल वोरा का निधन

रायपुर। बूढ़ापारा निवासी वरिष्ठ पत्रकार गोपाल वोरा (81 वर्ष) का बुधवार 13 नवंबर को सुबह 9 बजे निधन हो गया। वे राजेश वोरा और मनीष वोरा के पिता थे। अंतिम यात्रा डीडी नगर, एमआईजी-27, सेक्टर 3 से निकाली। अंतिम संस्कार मारवाड़ी शमशान घाट में हुआ। वोरा ने राजधानी से प्रकाशित विभिन्न समाचार पत्रों में अपनी सेवाएं दी थीं। वे रायपुर प्रेस क्लब के संस्थापक सदस्यों में से थे और कई बार पदाधिकारी भी रहे। **मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया**- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार गोपाल वोरा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने श्री वोरा के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल वोरा का आज सवेरे रायपुर में निधन हो गया है। मुख्यमंत्री साय ने गोपाल वोरा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दैनिक नवभारत, देशबंधु और लोकमत जैसे विभिन्न समाचार पत्रों में कुशलतापूर्वक अपने पत्रकारीय दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने अपनी सक्रिय पत्रकारिता से लंबे समय तक रायपुर और प्रदेशवासियों को देश-दुनिया की खबरों से रू-ब-रू कराया।

पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता संपन्न

कृषि महाविद्यालय रायपुर बना ओवर ऑल चैम्पियन

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 11 से 13 नवम्बर 2024 तक आयोजित पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन आज कृषि महाविद्यालय, रायपुर के स्पार्ट्स कॉम्पलैक्स में किया गया। इस अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित पूर्व जोन के 7 महाविद्यालय के लगभग 270 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ 11 नवम्बर को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति

डॉ. गिरीश चंदेल ने किया था। पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन आवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. राजेन्द्र लाकपाले, अधिष्ठाता खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर डॉ. ए.के. दवे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में 186 अंक प्राप्त कर कृषि महाविद्यालय, रायपुर ओवर ऑल चैम्पियन रहा। वहीं 88 अंक के साथ कृषि महाविद्यालय, भाटापारा ओवर ऑल द्वितीय स्थान पर एवं 50 अंक के साथ कृषि महाविद्यालय, मर्रा पाटन ओवर ऑल तृतीय स्थान पर रहा। मुख्य अतिथि डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि जो प्रतिभागी इस पूर्वी क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में विजयी हुए है वे आने वाली विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली अंतर क्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता की तैयारी करें। उनहोंने काहा कि जिन प्रतिभागियो को इस प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त नहीं हुई वे आने वाले वर्ष में आयोजित होने वाले खेल-कूद प्रतियोगिता की तैयारी करें। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों से आव्हान किया कि वे इस तरह का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले खेल-कूद प्रतियोगिता में भी करें जिससे विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर उंचा हो सके। कृषि महाविद्यालय परिसर में 11 से 13 नवम्बर, 2024 तक आयोजित पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें बालक वर्ग की 100 मीटर दैड़ प्रतियोगिता में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर के अक्षय कुमार को प्रथम एवं कृषि महाविद्यालय, रायपुर के जरनीश कुमार का द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

जीपी सिंह पर दर्ज हुए सभी एफआईआर निरस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के सीनियर अधिकारी आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह पर तत्कालीन सरकार में हुए एफआईआर पर हाईकोर्ट ने निरस्त करते हुए सभी प्रोसिडिंग पर रोक लगा दी है। आय से अधिक संपत्ति, राजद्रोह और ब्लैकमेलिंग भयादोहन के मामले में फंसे जीपी सिंह को हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की बेंच ने उनके खिलाफ दर्ज तीनों एफआईआर को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उन्हें परेशान करने की नियत से झूठे तथ्यहीन मामलों में फंसाया गया, उन पर दर्ज किसी भी एफआईआर में कोई ठोस सबूत नही पाया गया। इसकी जानकारी देते हुए जीपी सिंह के अधिवक्ता ने हिमांशु पांडेय ने बताया यह सत्य की जीत है।

जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई में चंडीगढ़ के सीनियर काउंसिल वर्चुअल उपस्थित हुए।

जीपी सिंह के अधिवक्ताओं ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बताया कि जिस व्यक्ति से गोल्ड सीज हुआ है उस व्यक्ति को एसीबी ने आरोपी नहीं बनाया है, जबकि उक्त गोल्ड को जीपी सिंह का बता उन्हें आरोपी बना दिया गया। जिस स्कूटी से गोल्ड की जब्ती बनाई गई है वे भी जीपी सिंह और उनके परिजनों के नाम पर रजिस्टर्ड नहीं है। सुपेला में दर्ज एक्सटॉर्शन के मामले में बताया गया कि यह सालों बाद बदले की कार्रवाही के तहत दर्ज करवाई गई है। कई सालों बाद मामला दर्ज होना समझ से परे है। राजद्रोह के मामले में अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि जिन कटे फटे कागज के जीपी सिंह के ठिकाने से मिलने के आधार पर उन्हें राजद्रोह का आरोपी बनाया गया है उन कागजों से कोई भी षड्यंत्र परिलक्षित नहीं होता।

एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा अदालत में पेश किए गए जवाब में भी स्पष्ट है कि उक्त कागज के टुकड़ों की रेडियोग्राफी में कोई भी स्पष्टता नहीं है। मामले की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने जीपी सिंह के खिलाफ दर्ज तीनों मामलों को रद्द कर दिया याचिकाकर्ता की ओर से चंडीगढ़ के सीनियर काउंसिल रमेश गर्ग वर्चुअल उपस्थित हुए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.